किस्सा
बेहरामगोर और
बानुहसन नो

सरवे लोकी वांचे नार नेसप
रे अबदुलहुसेन मुला-
नुरुद्दिन ने बीरहुजीयर-
थीसारी रीते सुधारी ने-
सेहरी प्रेसमां छपावीप्र
सिध्ध किया छे.

मुंबई.
सन. १८८१ ईसवी.

किस्सा.

जैकराम गोरडा.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

इलाही तूही दाता करनहार तू,
गरीबो यतीमों का अवधार तू
तेरा है लोगों अहसान जयाँ दयाँ
अयाँ है तेरी सोभा अयाँ क्या करे
दिया मेहरो माह और दरिआ सम
दिया उनों इन्सान परी देव दहां
खुदा वोह रहीम और सत्तार है
वोह रबके आलम का गफ़्फ़ार है
अजब और रहमान परवरदिगा र
परे उसकी आजा है और आरीदार
जन्होंनी वोह अपने हैं दर्जेदार स
जिन्हों पर रहमें भेजी दरूद

हिदायत को जिसकी निहायत नहीं ।
जहां को वजूदी है ताक़त नहीं ।
मिलाया वो ह्युसरे से यअ्क़ूब को ;
करम से भलाइ दी अय्यूब को ।
किया नब्ज़ की मूसा ने दिलो जान से ;
किया ग़रक़ फ़िरऔन वहां भान से ।
बिगर बाप ईसा को पयदा किया ;
मोहम्मद को सरदार सबका किया ।
कहां मुझ ल़ जिम्म़त को ऐसा कियास
कहूं सरबसर दास ना ने सिपास ।
हरनजते सैयदुल मुरसलीन
सल्लिलाहे अलैहे वसँलम गो

पद ।

जमिं हमँद हक करलु जे छिन तहा
जे नम्ज़ लम्हो हमद कलम को मेला ।
मोहम्मद नजी कीसि हेत जो जल ।

के मोती दहन से सुखन मोल तू .
लिखे करकर मोहम्मद का सुखुन को राम ;
मोहम्मद का शिरीं पसन्द दिल्के नाम .
मोहम्मद को खुदा ने जो पैदा किया ;
आप से नूर से हैं हुवेदा किया .
हैं अअज़ल लअज़ मोहम्मद के लगमें नसीर
किया अके बैरागत से हैं रोक़ कमर .
लवां कोन ताक़ुत ले जो ले जया ;
सिफ़त लुकी यासीन ता में अया .
ह्ने व लैँल वल्फ़ा मुद सँर सली .
कुरआन वर्सफ़ फिन्ही में मानू सली .
सिफ़त में मोहम्मद के पाला कुहू ;
मोहम्मद की खिमँत का पा आकुहू .
अमिं करसिफ़त को नूआ आरकुलाम
मोहम्मद पे लिल्ले दरूद और सलाम .
दर सिफ़ते चहार यार आबिन

ज़ारर ञ जी लाँह् अनहमणोयघ
सिरेल मोरयागोंडी हरदम रहूं ;
और गैबी की सनामें हमेशा रहें .
अबुज रर सिहिरहैं रोहसवार ;
मोहमदरहे वे जडे यार चार .
जीमारजादरा और शीबी असदल ;
वहांमें न ओछे जीनों के मिसल .
सियुम शाह जी समान है जाहया .
टमन जसेजुरआन हो है दिया .
मों हारम अलिशाह मरदान है ;
गुलशन लमें वो हसीर पटदान है .
रहुं शाहलदां डी अजमें जजर :
हसन और हुसेन हैं नजीके जगर .
लीआनुन टन्नत के सरदार हैं ;
होरो जुडीन अजलन जरदार हैं .
वहांमें ले हुलअज हले इमान हैं ;

ले आम लोगां ने औरआस है

सो ये हमारा मदह अन्दर है तमाम

के नमना नो मालिक रीहै हिमाम

ली अकमद हुअल सजसेगा लुध

रजे ऊनको गाजे वो हमालिक सदा

कुहे अजासिहत मैं जड़े पिरकी

कुईं सिहत जेकद मिरां मिरकी

ऊनकों से है तालरामिअत का जाण

मौ कमद की ऊमनके है वे पिराण

आमिं रामके आलम कमारे ले पीर

यकी रोजे मे हैरार अदर दस्तगीर

कुंअके नसिहत कीमें तुझ का आत

के है आकरते में तेरी नजल

आमिं आसतानों की अजअकही

हीर के अजलबोंसे जेजा कही

जुकर नअसे तहमिद कोमुअस्सर

न कर तूफ़ानों को तू अब असर जसर.

आगा क़िस्सा बहराम गोर का यहां से है.

ऐसा ऐक मेरे दिल में आया ख़ियाल

क़िस्सा ऐक कहूं मैं बहोत बे मिसाल.

ज़बां पर अपने न कुछ आया मलाल ;

ये हस्न व मुनरंगी मैं कहता लला.

मेरे शाइर नादीर सुनो ऐ अज़ल

ज़बां से कहां कूं अपने मुरातमील.

ज़बां पर है कुल के सुपन अज़ा बदार

ठासीके सुनबका है दिलों बिकार.

मेरे शाइर गर्जां में सनातनी कहा ;

जो फ़र इस ज़बां पर अयां हो रहा.

कहा ये किसा कुं मैं गुलज़ोम कहा ;

सो अब तू कुसन और बहराम का।

जो कोई पढे ये कर मुकदा पाद :

तअल्लुक़ उससे अपना करे दिल वो शाद

मैं अब दास्तान ये किस्से का कहुं .

ख़ुदा की सना में हमेशा रहुं .

किसा कि न वाक़िफ़ हो पावे नज़र ;

ख़ुदा की ख़ुदाई में था अंकुरा कर .

उसे याद कर शहर इस रोआ नाम था ;

वहां बादशाह नाम अहमद था .

कि उस शाह अहमद का था असल ;

उसे चार के सद हका था गुल .

अडु अ त अ हु वाशाह अहमद नगीं

नया होठ हां में निकल उसकी और

था तू ज सुरत अ होत जे निसाल

न ल न केत शाओ जत में साह ज हमाल

जरस जिस की थी उमर शाह की ;

पिसा ली थी उसकी रिश्ते नाह की .

वो ह था न रहआ दील जनाज़े के पास

ग़रीजों के मिल न न जेया वोह ठसास,
वोह अंगुरा न जै ठा याबोह नामदार
नजुमी बुलाऐ उसी वकत यार .
कहा ऐ नजुमी मेरे साथ जो ;
जदी और तेरी जो मेरी कहो .
कहा ऐ क नजुमी ने ऐ कामगार ;
तेरे मुल्क की हद है कायम मदार .
कभी तुम सिधारो जहां ऐ सोंकार ;
पहलिनां तरह जो तु हो कर सुवार .
नयों पै तरह जो सिधारो लजा ;
ले जाओ वहां तुम तो है यह जता .
कहा शाह ने उसका सब जाद जता ;
कयों पै तरह जा जलाद पता .
नजुमिन ने दिल में किया तज फिकर ;
कहूं अज़ रहे अक़्ल मैं जो लकर
मुझे मान कहा कै वोह समझा ऐ कर ;

वो हुनरो ही कोमों के उम्मेद आमाल कर.
सुनो मैं कुं कहेता जयां जे ऊाहूल
न जाद्या ऊाघेर को वे आलिरमजूल.
कहारी कु सुन मुज ऊी लुम्न आल;
वले किन है लंडीर और जो कोथे.
न लुभी ओरो कने किया तजरल;
कि उ दिल मैं करतार का ऊास वल.
के किसमत का अपने तो देखूं मल.
को वेणा वही सथे करेले मुंदा .
न लुभी तो चरऊो गया है मेला ;
ले कहेता व सुनता जुमाया लला.
वले ऊीन ले कउो या करना ठीर
कुमे मिन नटलता है कोला ठीर.
वो कछोडे न कारणी ठले लिये कल.
वो को ताके लसमें के कडीरल.
कुवा ऊास्का वो कडे है दिल में पिया ल

कु वा वस वसा गो क्र डो म्ज ठ क्द कुम्न.
कु वा जम्म़ द मु द त के गो क्र कै सु वार;
ऊ म्सी लर क्रे यो पे को जे क्रे गिडार.
लिया सा पे़ जैकुर वों क्र कै जेगुमार;
ठ ना वर गिडारी ली क्मं गा क्र क्ल़र.
लरमम्जे पिस या णोरो मी ते कुते ;
ले पडुड ठ ना वर गिडारी कु ते.
लु ती थी ठ ना वर गिडारी ठी ल़ ल;
ल़िम्जे पां दीक्र ने म्ज पस के सं णात.
लणा सै द डरजे वा क्र से क्रा लिलर
कुछ पै ठ ला वर वहां प्र्जु तर.
ऊ ल्हों़ लि पे या म्जे क म्ज ठ जणा रे म्र
किम्सी ल़ ल दं मा या मैं सा दिगार.
मु डा जिल वो क्ऱ गी क्र के कु वा म्मा म्डा
न ठ़ र मै क्र डा ऊ म्सर म्जे डा म्जे कु पडा
मा ऊ म्नु मुं कु पर ा निका पत डमाल.

किसीने जो देखा उसीके मिसाल .
जहनपर थे उसके कई रंग. रंग ;
कुछ दिलमें सारे उसे देख दंग .
कहा उसको दुनिया में बलापकड ;
ये जारीह पिया दह व कां से अकड .
पकडने ये ला उसको आया करीब ;
लरहे रीह आयाके वो कुछ न करीब
वलरां अमीरां करे राह को ;
ये ह हिस्सा अलम्जेज कहे राह को .
कहा जादरीह ने अंहजपे ह न हैं ;
उसी को किसी ने ली ले ले लो है .
था अके कईन उसमें लहरे न था ;
कोई सर छिलाकी से माफ़र न था .
उसे अक पलक में लिया से दकर ;
उसे राह लाया है लुदी पकड .
तलजरीं ह किया कै भुरसे का लन

किया अपने हाथों से उसपर यकीन

हुवा पादशाह है उसी पर सुवार ;

लगा छंद करने हनावर कलार :

लते लोगरी हडुये संजपा सोमाम

हवां से किसी के नजिकला कलाम .

सलो ने भुजार कुहरी हको मिज .

हुवा रिहारी दानफुरीव कल मिल .

पिला घर तरे रीह साकेजमदल ;

मिलीथी प्यल कुवको लमारी जदल

कुपकुडा हैरीह ने मह अशोरम्यर ;

उसी ने न देखा था ऐसा दिदार .

घोडे उंट जा लग लगा ने लगा ;

हुनर छंद ऐसे दिखाने लगा .

घोडे उंट वाल करे रहे भें ;

हुवा शाह तजरीद है दिल भने .

किया गोर उसने जो उस बखान पर ;

उड़ा बेगयारौं कूं होश समान पर.
जब कुंअर बरिन्दर हुए बेक़रार;
बड़े और छोटे रोये नर नर.
हुए लोग हैरान सब खासो आम
पड़े नके गारदा जगंम में तमाम.
सखी को के ब़ाआर रोने लगे;
आख़ों से वे मुंह को ली धोने लगे.
हुए ग़म से रो रो परेशान सब;
लगे चाक करने गिरेबान सब.
चले रोते आंसु हैं वे सब बहने;
गले डाल के कफ़नीयां कलंदर बने.
हुवा ऐक जसे कुणुलरी हिर के लीलर
गये रोते सारे हैं रो कूके भी न घर.
सब के लियां लगी पीटने वाऐ वाऐ
छतरसर हमारे क्या या हाऐ हाऐ
हुवा रौं कूं डगम हैं सखी घरजचर.

जहां लग कि उस ने ये अन्दर रोकर.
रहा उस के दिल में यही वलवला.
न जाना कि कैसी ये क्या थी बला.
सलोनी ने यह दिल में किया मिल ही कर
नहीं ओछे रीझ जाबिरा दर पिसर.
अपने अज अता अनत में किसी रहें
हमें या कि अपना किसे अज कहें.
पिदर में न उस कु या दाना वझर;
वोह या दिल कु उस कु जहां तक दिल ये लेजु
जहां लग मुनीं आदमी या कि खबर
वहां लग जिठा वें उसे तफ्त पर :
मुआइना जक ली यह जमे न होय.
कि दुश्मन न कवी और आवे न होय.
सलोने उसी पर किया के करार;
रहे रोक कि धाम में सलोनी दिल किशार.
पीछे फिर सलोनी ने अहवाल किये.

वजरी पिरदानछद कोगा की दीजे
यहां रोज़ लुक़िस्साँ छहां लेपेला ;
कहां लेके जेहराम बीा हणछिजला .
वहीगोर हजरोह को लेकर छिडा .
हेजके पर वांहरोह को लेजकर घरा .
किया मुह से नमस्राछिनेमाहका ;
हजां पर लिया नाम मनलाँहका .
गया रोह को लेकर कछे कोसपेर ;
रहा रोह दिलमें हैमनेहसोस कर .
जननहै वांह छितराह मिंके छिपेर
छिलारा जफ्जी छिसेमानकर .
वहां पादरी राह को गया छोड कर ;
कुवाणुम छिसी वकुल वांहगोरपेर
जंपें जोलदे माले रोहने वहां ;
के है आणनादिर वहां छिसमका .
गोह फूजी का छिसके लोलिपाँ नदीया ;

नं. १

ऊमरलर में रोहने सो देखा न थे ।
यमन पुरोक यादार सैराज है ;
कुयरेन्सम्भेकि वरसा वपुरआज है ।
रघारे कुछ थे वहां पर ऊछल ;
कुछ होट नहरें रहे थें ऊलल ।
राणुरेला थे गुल वहां कुछेरंग रंग ;
के लालाफल्नरावनरणिस सरंग ।
कुछ सरेराम रोहदे थे यासम न ;
जहोल कुंमरी यां वहां थे जन्दरमेमन
यंमन गुल राणुरेतां के मैदान थे ;
कुछ मुरण जुल जुल पुरोछल हान थे ।
वहां जे कुछ मारल थी छिल कुरा ।
रेररा या वोहमे जमन कुाऊरमें छिछा
धरे थे वहां रीरो पुरलणीराराज ;
कुछ जूहस कुथे धरे वहां कजाज ।
धरे पै वहां मे वैलनी घेके सामरु ;

शिनुकिलने मैं ली कुछे नामके :
ऐक़ सजन देख दिलने ठठक होरहा;
सलीशौक़ के दिलजुआय हीणाम हुवा.
सली देख जहें राम जेगुपे हुवा;
मजे लो होरों शौक़ कारे वाला हुवा.
कहा दिलमें शौक़ ने मजलज जाल के
नहीं कोछे यहां औरे हुनर के .
यजाल के जैठा के मसनद ऊपर ;
किया सज मजपसमें वोह दिलकेलीलम्
किया मैं कैसी वोह पियाले दोस्पार;
हुवा मदमस्त है वोह मजदर पुमार
जैठा हजमजपसमें वोह मकलुठ हो
देखा मजे कुमजाता है छेदीत ले .
वोह येरंग ऊसका लेमजा हुमिसाल;
जदन पर हैं ऊसके कुछे जलाल जाज.
कुवी कुदमें पा को हसैली कुजीर;

कमरमें है लिपटा उसीके ख़ंजर.

उसे देख जेके राम जे सुध हुवा;

अ़क़्लो होश ताक़त नहीं कुछ रहा

कियामैंह्ने हज अपना हैरत मुक़ाम

उसी देवने तब किया अस्सलाम.

अदबसे यों हँसके बुलाया वहीं;

सुनैद देवमेरा पैसम है सही .

तुझे कुदिनको आयाथा सहराअ़लील

उसी दीन तुमेरे पडा था नज़र .

उंसी दीनसे आ़शिक़ हुवा हुं तेरा;

तेरे बिन बुरा हाल था यहां मेरा.

सिकुलणोर जनकर के आयाथा मैं;

उसी रन्द फिकरसे यहां आया हुं मैं.

येह् तक़सीर मेरी मुझे मअ़ज़रे कर;

तु करणम से दिलको अ़लीसाद कर.

यही बात तब जादरा है सुना ;

हुवा दिल में पुरग़म वो कहके यों गाना
दिया रौक ने उस देव को ये जवाब
के आवो अपन मिलके पीवें शराब .
गया रौक के नज़दीक तसलीम कर ;
लिया पा उसे रौक तअज़ीम कर .
हुवे मिलके दोनो वहां हमकलाम :
गई रौक के दिल की दहशत तमाम
किया देव और रौक दोनो ने कुशी .
हुए हैं वे आपस में हरदो खुशी .
वहां रक़्स था जो उस जलसाह था ;
व लेकिन सब वो हली जैनाह था
कहा रौक ने उस्का है मुतरिज कहां .
बुलाओ गीता जी उसे हो न कहां .
दिया देव रौक को तली ये जवाब ;
तमाशा दिखाता हुं तुमको शिताब .
पीछे कु सुरमा दानी सो दस्तार में ;

निकाली उसी वक़्त अपने यार ने .
कहा कि इसमें सुरमा है तूफ़ान का ;
बनाया ये हज़रत सुलेमान का .
सलीलर के सुरमा उनने लगा लिया .
दोनो चश्म शाह में फ़िरा कर दिया .
कहा उसने मैं शाह आलम पनाह
तुम्हीं हर दो लीज करो अज़ा निगाह
दावें तरह शाह ने किया है नज़र
पड़े हैं कुछे देव हल लेड कर .
नज़र तरह हमने किया शाह दवान
के पड़ीयां परी हैं बसूरत अयान .
सली पुरी निकाला ने सीरीं कलाम
उन्हों ने किया आके शाह को सलाम
कहा देव सब उन परीयां को है यूं .
रिझाओ तुम्हीं मिलके इस शाह को
किया नाच परीयों ने शाह के हुज़ूर .

दिखाया ले रौह्जल जे जह हूर :
पेआ वहं तंजुरा लगा जाह ने ;
लगीं सज परीयां कैं वहां नाये ने .
कहा देव रौह् को कै ऐसा पयाम ;
कि ऐ शाह के आं ली हुवा वकूल रोाम .
उठो तुम सिताजी से ऐसिलवल करो
परी ऐ कि कैसा ये ढ़ेर रलक रो .
उन्हों से ले आवे तुम्हारे पसंन्द .
उसी से करो सौ कुसे तुम आनंद .
ये ह्मिदमत में हम ने तुम्हारी दिया .
ये हलाजे सलों डो तुम्हारे किया .
नहरी रौह् ने परी यों ऊपर ऊी हमल .
उन्हों में परी ऐ कि थी पुरा सिकल .
जरस यौं देह् पेन्दर ह् डी थी जाकमाल
थी पुजी में डा मिल यो ह्सा ह्जहमाल
उठा जा देखो ह् कै उसे सा पिले

पडड हा पेठिस्ता वहां से पेले .
गथराह् इन्दर वतमने रात को ;
संवारी थी इन्दर वलब्बद जलाल सुं
किया जैसो ठिरारल जिसी के संगाल .
इन्डेली योमें पे जपरी के कै सा ल -
शिठा जादराह् के ज व कुते सहर ;
अजरहारने देव को दी अजर .
जिसी वक्त परीयों को बुलाकर कहा ;
रखें या न पोशाक के वाह् मंगा .
किले कु पान दर बुरेल बुटे हडे .
किले कु कारयो जीपेडन से लारे .
किते सुरअ ओर सब्ज किमख्वाज पे
किले नगमगाते ली हर जारे पे .
कहा देव राह् को अली को बुलाव
लेब्न करके हमाम में ली हलाव .
लेब्न कर परीयों ने किया सज्ज नहर .

अरज़ की के ऐ शाह वाला गुहर .
हुवा गरम हम्माम अब जलुम पे लो ;
पुरी से अजली तुम पे लो न्हा के लो .
पे ला आदरा उठके हम्माम में ;
हुवा साथ परीयां वे छैल हमाम में .
पीता जीसे उस्ने किया गुसल शेरास
पेहना सर अदन पर ज़री का लिबास
शाहन शाह आकर जैठा तख्त पर
परीयों ने कहे जो के देव को फ़ज़र
पिछे देव उठ कर के आया वहां .
उसी मेहल अन्दर के शाह था जहां
अदब से किया देव ने आसलाम ;
हुवा अज़ दीदा से है वो हम कलाम
छेड़ न मुझ शिरादर का आया है आढ.
उसी की है शादी का मुझ पेश काढ
शिरादर बड़ा है वो ह सुरखाब नाम.

दिले दफ़र में फैला उसी डामुठाम
अगर को वे रे प्रसल वकां लउँ में.
यडीं कै के फोरत में फिरआउँ में.
पुरी से उसे गिरा क्ने दी रल .
उ ठा दे व वकां से कै हुरं नी रा जल
सली दे व परी यां रपे रो क्के पास,
मुजा दा रो कनरा को वे उ दास.
वकां दे व लन ठो पे का र भीद .
सुने डी दियं यारो क डोला कर डिलीद.
उंसी लपे ओ के दा रा था धुधा,
दिया दे व ने कै वो करो क डो जता.
सुने डा डुरेल या उसी के उपर;
ड का रो क उसन पर करो तुम न ठर
ठ का रो क ने उसको के ओ ल नुमा;
तुम्हारी बुजिअसल कली होप्रे रो:
ल तुम को में दी है किली दे लिना;

उसीसे कि ज्यो पोल पेट तुम दुहेलवा
अकेले किसीमें तुम्हीं लखे अजे ;
घडी अक दो हैर फि आहे अजे .
उली दिन्को करणी हू लकी पोलना
मेरी पेट नसी कतन कीं लुल ना .
नसी कत वो हू उर उर रवा ना हु वा ;
डिब्बे दफा को उसको ली लनाहुवा
हो से रोट अम् दम हू हुवा रो कु उद्
डिया दिल में अपने तली पेट डिपास
तमाशा तो देखें उसी लम्मे पर ;
मना जस्की मुक उगा या देव उर :
मेला दिन्को आया या उसी लम्मे पर .
न लाया वो हू अपने हैं दिल पर अतर
दुहेला अोलरी हू ने रखा है यहां ;
मेला सैर डरना हां और लहां .
उसी लपे देखा के सुसताना है ;

सं वारी उसकी में अेक मुक़ाल है .
नथा उसमें ञ न और कोई देव परी ;
जहाल आण सुजी डाया अरली .
खिले हैं गुलाजां मं न लाल लाल
रहे थे बनावर जहाल पाल पाल .
थं जेली ने से वती ली नसरी न थे .
थं थे और नरणीस ली जा ञ न थे .
धावदी वभो घरी व ला ला ह अनार ;
थैसरे सनोअर वहां बेशुमार .
थी दवना व मरया वरें हान था ;
लगा स अणु लों से वोह मैं धान था .
थमन वोह णु लों से ली मेह मेह करे ;
वोह गुल अनार फुलीसे लेह लेह करे .
जहाल आण फुलीसे था पुर जहार ;
गुले अम्बरानी व में हदी ह अनार .
वहां कुमरीयों डाया गुल और शोर ;

ये कह आया ह़ जुल जुल क़ायीतोर लेय

उठे झाड मे वे के पे जे नज़र ;

पे अंगुर आंधा अ नातो अं जर .

पे मोल से ज और सहेर हल वलुत ;

पैलि भुनरीरीं वहां पर ज़होल .

वहां नारंगी यों से पमन पा लगा :

के पिस्ता औ बादाम जहोत संतरा .

सुलन्ह पी ढ़ेभारत जहोत ह़ेअवर ;

हडे पै ठीसी लिये लअज़ल और गुहर .

लिये ढे डाअमें गा़ली पै हरलार हे ;

सं वारे स़ढ़न पर लीगुलहार पे .

लीरीरी हल ज के वहां पे लरे ;

मुरसेँ के साअह़ उठे पै घरे .

घरे वहां पै मे वे रंगारंग हलार ;

कि तों के लिपुं नाम हैं जे शुमार .

घरे पै हमे वे जहोत जे कि सांज़ .

पै मुरग़ माही के पछि वहां पड़ा आज.
गुजाओं से हौलं लरे ठार ठार ;
हे वारे उछल्ले वहां जे मुमार .
पाओ के पेरिन ओ आजउस तौर का ;
जडा था वोह ओ के डोस के दौर का .
कहा रोह ने मुझ को रप्ये या मुदाम ;
वोह था जो कहिस आसार गुजरी न ज़ाना
म.
कछि सारस और जतो मुरगा जियां .
कछि हंसों के जुलर कहुं कया जयान .
यं जासैर करला वोह रोह ठार ठार ;
दे प्यारा कहि रे उर है जे कझार झार
सली झाड वहां ली जहां लसायादार
कुवा देप पुरी हाल जहां लनाम दार
हवा पुरी है रोह को वोह लाने लगी.
अप्यों में उसे निंद आने लगी .
हे वाँरे रहे पै जरस लैं सहाज ;

किया ख्वाजा जरी ह ने वहां जो किलज
गुलों का हरीरा था वहां पर बिछा.
बिछाने की हालत वहां थी क्या.
गुलों के लड़के थे अ हरगिस यसमन ;
हवा वहां की आली थी गुल यासमन
हुवा निम ख्वाजा जी रोह दिल नवाज.
जो का जो के कबुतर आआया था आवाज.
उठा ख्वाजा सिलीं वो जेदार हो ;
जो का जो के हुवा कै जबर दार वोह.
देखे क्योंके हैं दिवार पर ;
जरंग हमरेद कबुतर उतर .
न हरी ह की उन पर वहीं लपड़ी ;
उसी से नमज आज पर है पड़ी.
बिजासे कबुतर उन्हों ने उतार ;
नंणीयां को के लहेरें पड़ीयां कर पे हाथ
वो थीं पूज सुरत निसजमा ह के ;

नहाने लगीयां वोह अंदर यो हौज के .
दिखा शाह उनको तो हैराँ हुवा ;
परेशान आलीर में हो कर रहा .
तरे हुँठ से उनपर किया है नज़र ;
परीयों में परी कोन है खूब तर :
परी अेक उनमें जहाँ खूबरी ;
बदन था उसी का सरे मो जमो .
परीनदस जुी वोह सरदार थी ;
अक़ल होशीं नसेरे में तरौर थी .
वही खूब सुरत लीमह के नमन ;
सुनो नाम उसका था जानुहसन .
जहज सर पे उसके जडे जालये ;
मिसल शोअे संदल के रेअवालये .
दजीं देख ठरडी छुपे अारताज ;
वोह थे हारे पे अपने लेशाज्ञानिडाज
लुवें देख उसके हुवा है मलाल ;

दिया लनको अपने वोह जागीर निज़ू
उमर उसकी जारी कलुं रोर डी ;
वोह जिन्नी थी उसकी दुरस मे करनी
मेरा देअआहु परेशान हो ;
चमन में वोह नरगिस ली हैरान हो
अदब उसकी आंखों मे शोलअज़ल थे
दाब लनैन काले सुरअगालन थे .
दो ज़ालेम सहा डी सना की नलय ;
दे जे उसको आढे नेली रेनु लाय .
ऐसिया आल अदपर उसी के नमुद ;
नर्गी ना सा हो ता है उसका नमुद .
दो लजआ अहै वांसे लजरेब थे ;
शोया शाहद मिसरी से आमेब थे ;
वोह दातों में थे उसके हिरे डले ;
दहन डेसदह जिसे मोती पोरे .
मसी उसके दांतों ऊपर देअडर ;

केवल जिसे आकर छुपे लुं ऐसदर

वोह फूरी को केत ज जो जली थी कलाम

लीमो लीमुं गे रोल ली थी लमान

थीणरहन दीक्ष्ती की मुआ की मिसाल;

दोपिस्तान मिलने ऊपर पै निकाल.

अनानो है मा नींद पै से कुआरणो

वे पै मीन यामुरके लालार के.

मिउम मोट हरवाहै सैशा जपा

यलनाके ऊस जिसे नरदा जपा.

कुंमर ऊस्की आरिकु थी कुछम ज्ञज.

ज्ञसे देन लाणे रस्जर औरशोकि ज.

देआ हंग परीड़ा कुवा दिलने हंग;

दिउर से कुयामी कुछा है तरदरंग.

बेरन देन येंपा कुवा आग आग.

वोह हैन देन लाला कुवा दाग दाग.

गुला जी हि आउस्का नउरी कदम;

किया मेकुल जपे पर कहन जान दम ;
हाथों पा की उंगलियां थीं मुंगे की शाख
देखे से जन्हों के फुटे दिल तड़ाख .
हाथों पाओं मे मेहदी से पैला ला लार ;
सठे ली थी पोशाक और हज दार ;
करन फुल जालियां व थे पा कली ;
थम कला था हर नंगरोरा न कली .
संदल हार माला दिगार गाल सरी ;
जा लुजंद पों थी यां थी अंगुश्तरी .
दिखाता जपरी डाबो है नव जकार ;
छीरा क डाउ ठारो क के दिल में गुजार
पाओं में थी जां कोर ज हाल माल के ;
ठडे जरमें लय़ ले जदखेशाल के .
जरस पां ठ दह की सुना थी परी ;
वो हपुजी थी माह से ऊंचे जरतरी
मसाहल जदन की ले दखे कमर ;

शरमसे पसीनामें हो गये तर .
देखे उद्ने मवजुन और संगदहल
होवे सरोपा अंद अंदर येमन .
शराबे न वअज़ जरल कहे या टके :
नहाने को आछे सहखीयां वाले .
वोह नहालीयां परीयां सार आसमूने
मिल
पुरी होके आहम वहां आजहील .
ऊनहों सजसे जानु हुस नगुलज़
आर
कुवा देखमी वह का ऊसे दिल दिगार .
सोंचा था कह दिलमें के अज कयाकरें :
परी को मुस बेधार में क्यु करें .
जुदा जिन न को छै येह आवे फेर :
करें मैं किसी से येह गज़ कर .
के कुकिसको गज़ करें येह राज़ निहां :
छिपा ही येह लुत्फ़ को सत्ली है अयां .
अगर येह परी हाल नहीं आज़ंगी

मेरा दिल घर से येह लेकर अेगी.
अकेला पड़ा तड़पने लगा;
दर्द ना डो दिल में उबलने लगा.
ढूंढी फिर उसको और उसको लगाम
लगाये
के जिन आलम में झलकी उसको तलाश ल
से.
सुनी थी उसने हरसे अेक बात;
के उपडा परी का नहीं किसके हात:
तो वे उस उठी सी पर परीसे कजार;
रोने लगी जोर से सदा भार डरार.
यह उन्हें दिल में वो हुआ हो जोड़ वां
ना.
छुपा तो कोई कपडे रख्या है वहां.
यह कि कुमल से लाया पैर जलधार का
छुडा वहां वोह ली नो लाया यार का.
परी के वोह कपडे उठा कर लिया;
रहा छुपे उसी जंगल में जाकर रहा.
सुनो जने अपस के वो पियां जोउजा

न उन्हें था दिल में ज़रा कुछ असर .
सहेलीयां थीं जिस्की उन्ने उस्को संभाल
उन्हों ने निकाली येह उस वकत बात
सुनाओ कहां से डा कै आदमीह
है पृथी में गोरान कूं ने कहो माह
उसे देव लाया है वहां से उठा ;
आपसके वोह नहीं कुछ है सारआ .
कहन है अहोल पृथ सूरत है वोह
फिरंगों की बया थिनकी मूरत है वोह
देखे पृथ वोह या तेरी अकल है ;
पैदा हुए पृथी आगोमाल है .
कुफुलर की जिस्को यो देखअ पें ;
पिछे अपने घर को अपन सबआ सिधा
यें
उठी बोल आनु कुसन नल अमिलाअ
मैं देखा वोह छिमरी अहैसं दलीप्या
अ
नहीं कुछ न होआ आठ छिस बालका ;

मेरे दिल में थोड़ा है कुछ ख्याल का.
के वलाह आलम लगे कुछ जला ;
के हो लखों किस्से पर न मैं भुजली ला.
मेरे दिल में दर्ख्याल जड़ी आग है ;
लिखाह जान अपना सोम हाराठ है
दो मेंगे किसी रोठ फिर आओ कर ;
नहीं ले कसा अल अपन पाओ कर.
अपस में यो ह ऐसा ही थे कुरार कर ;
लिकल आया पानी से वे न्हा ओ कर.
न दे आ अपस डार पल हार पर ;
डहीयां लुदलर हैं ये कुरीयार फिर
यो रोठें पिलाठे वहां लर लर
गिरे आन हाडें जहां ल आह आर.
वे रो रो के गम से कुयां जे करार ;
लगी दिल में करने अपस्ते खिमार.
ज़ जर लो के है डोन ऐसा जरार ;

जने इस जगह पर किया है मकर .
देखे आगं सारा उसी को तमाम ;
वोह घर लश्के यूं है अन्दर का मुकाम
यूं था के परीयों ने वोह घर गार गार ;
वले कहीं न पाया उन्हों ने अयार
रहीं यूं ह उसको वे जे लार हो ;
अपस में कहीं तज वे आयार हो .
पुकारें वहां पर सदा से आवाज ;
के ऐ दुख दमकार व ऐ किले साज .
लुके आदमी या के रिस्तामगार ;
वया जनपरी देव जे दादगार .
लेहो वे अपस की के आमुराद ;
इसम है यूं दा की करें उसको याद .
येह सुन शाह आया वहां से जहार ;
देखे सो हकी पूजी के है जेसुमार .
लहकूं रहुं इसपे वेहै मानहो ;

लख़ तुझसे सजन परेशान हो .
वही आके सजन ने किया येह् असर ह
कहो क्यूं डराया है तुम्हारी गार ह.
तुम पे है हमारे रोना क्यूं छुपा .
ले मतलब जो तुम्हारा हो दो अजब जल
इकरार कि डीठ को हं जां खोल कर ;
छुपे मत दिल को उठा खोल कर :
तुम्हारे ने लो है के जा तु कुसन ;
उते दिल में मेरे किया है वतन .
मैं दिलो जां से उस पर हुवा हूं फ़िदा .
खुदा साथ मेरे रखे वोह सदा .
येह सुनकर परीयों ने दिया तब जवाब
शरम धर किनारे उठा कर निकाब .
के तुम्हा हमीगाह है ली छिनसान का .
तुझे है शान तख्त सुलेमान का .
तुझे है जिन्स इनसां अन्दर मेनज़र

ख़ुदा ने किया तुझ को माहे मुनीर ।
हमारी तरफ़ां से तकें क्या तुझे ;
हक़ीक़त हुवेदा तुम्हीं सब समझे ।
अजब है तुम्हारा यह ख़ामे ख़याल
यही जान को भी निपट है महाल ।
हमीं तो परीज़ाद तुम आदमी ;
कहां आसमां और कहां है ज़मीं ।
दो टुकड़े हमारे करो तुम मसल ;
ख़ुदा ऊंचा देवेगा तुझ को बदल ।
कहां सो हम ने तरजीह न होगी ये जान
मेरा जब लगा है उसी के संगात ।
मेरा अज उसी साथ ली काम है ;
मेरे दिल कुं अज यह दिल आराम है ।
अगर तुम करोगे मगर हूं न हज़ार ;
न हूंगा मैं कपड़े तुम्हें अे कबार ।
दिखा हम परीयों ने कुजरटा सही ;

अपसे के वोह दिल में अलंग होर ही .
करें क्या किसी का के हो अंजिसात
के ठन आ के मुश्की जपडी हमपे आठ .
कहा उसको तीनों ने समझाय कर .
जहांत कि कम तों से ली हुस लाय कर .
यलेकीन न समझा वोह सा है वां ;
सखो छोडो किस्को अपन होर वां -
कहाल अस हालियों ने जै अपन वर ;
हुवा है तुआरा के यकीन अके पर :
हमारे है कपडे हमें हाल में ;
लवा है तुम्हारा किसी जाल में .
कहा रीह ने तुरे अजा तुर है ;
यही जात मुझे डोली में तुर है :
दिये ऊनको लाकर वोह सारा लिजास
रख्ा यार अपने का रजि अपने पास
सरापा खिन्जल होकु वीआजमें ;

पड़ी ग़म से कैरल के हिज्र दाम में .
गुसाहों के लं करस के सियों पे आह
शरम पेह तुम्हारा है नामुसवाह
अडी अम्द ओ ली अंजरदार हो
कही शौक़ की ख़िदमत में आसार हो
के ऐ शौक़ गेली पनाह दिल नवाज़
तुझे कहने दी दस्तगाह की रेशा ठ .
मुझे कैद अपने से आज़ाद कर ;
मैं ग़मगीन हूं मुझको अली शाद कर
मेरा ली मुझे रुख़्सत कर दे अला ;
अ जासी दो अंदेसे ली अफीओ ला .
तेरे सिवा मेरी यही है सदा ;
मैं ममनून अहसान हूंगी सदा .
कहा शौक़ ने छोड़ो उसी ख़याल को ;
मिली अंपहां से ले हम जन्नत को .
कहो आल मैसी न ऐ ग़मगुसार ;

सीता जिसे कहुणी मैं आ कम किनार .
मेरी ये कहानी कुल सुनो कान से ;
पियां तुमे तेरी दिलो जान से .
मेरे दिल में ऐसा है मैं न च उकार ;
के हम तुम पे हो तोर के ऐक हार ;
परी ने है सोह से ली ऐसा कही ;
के कपु कर के नहीं सो मैं आ उठी .
मेरा रस्ता सामा मुझे जा के दो ;
यह जात दिलसे मेरी तुम सुनो .
अगर से न आवे तुम्हें ऐअ ती जार
रखो ऐक कपडा ऐसे सोह नाम दार .
आ की मुझको मेरा अता हो विजास ;
के ता पैक न आऊं तुम्हारे मैं पास .
कसम है मुझे मेरे ईमान की ;
दीगर कसम मुझको सुलेमान की .
रहन बिन न कहुणी मैं तुमसे जुदा ;

सुखन मेरे दिलका है शौक दे खुदा :
येह सुन शौक के दिलको है आया करार
परी का हुवा शौक जो तन अअजली जाय
रम्या अेक आछी दिया सब लिबास
हुवा दिलमें खुशहाल हैरु कियास :
पेहनी है वोह कपडे अदनेपररितां अ.
रखलेके शौक से गली छिहतराज.
दिया शौकने लाचार हो कररेहन ;
कही सरके छिनसान है अेवह्रा .
यहीं आत हरणी ह हुछे है नहीं .
परी और छिनसान मिलेली कहीं .
परी अदमें भिरव्न भरा हुर है ;
वहां आदमीसे जहोत दूर है .
भी तुमें ली कैसी तुम्हारे संगात ;
सुनो दुसरी ली तुम्हीं अेक बात .
सुरेद देव मुझपर है आराक दिदा ;

वो हरज्या कै दिल में मेरी यह सदा.
किसी जपै हंगाल वमैं दान था ;
नहीं यह यमन और जुसता न था.
अगर अै कि ऐसा था यह यहां अगर :
जहां के की परीयां आलियां यहां उलर
दासे माह के जश्न हजर यहां अैसी हा
मैं यहां परसे जलती थी धर कोनहा .
कि जरा पडी दवके मैं नजर ;
हुवा लजसे आरी कुदिदा मुजे उपर
मेरे वासते है जनाया यह जाण ;
ऐसा मेरी मोह जाँत का है दिल में वोह दाग
वो ह कुरता कै आना यहां हमको तमाम.
अजील कि नहम से हुवा हम कलाम.
वो ह नहीं कि मेरे न आया पास भी ;
सदा दूर उन से रही हूं अभी .
अगर तुम कयोगे जो मेरा खियाल .

ताजिअ हाल उसके है रफ़नि मुहाल
वोह आलुरदह ग़लुमसे रहेगा सदा ;
अगर्चे वोह दिलसे है तुझपर फ़िदा .
कहाँ रोहने होगा तरहुली नहीं ;
फ़ुदामें रोगा लिजके मुबहर कहीं .
कहुणामें उसको ले समझाय कर ;
किसी और हिकमतसे फुसलाअकर
वफ़ादार हुमें वफ़ादार हु ;
नहीं मेरे दिलज़र तफ़ादार हु .
नाअवक्म दिलमें तंरा कुछ फ़िकर ;
मैं हु तनतो दिलसे फ़िदा तुझ उपर .
मेरी जवदग्गी अल्ली तेरे हाल ;
पिलालम लजसे तु आजहयात .
मैं करणीत न तुझसे रहेगा दगा .
किसी जालका आलशा है जुदा .
कहा तज परीने मुझे कोलदे ,

मेरे से लीअपना लुअजकोजले;
सुखनसे न जाकर मैं दूगी कदम;
न तु मुझ बिना कहीं ली धरना कदम
ये कह मन सुरकर कोल शाह ने दिया;
परीजेली के कोल उसने लिया.
ये कह कर कोलो कसार वो शाह परी
हुए एक तन के शु महो मुस्तरी.
परी पादशाह के हुए एकलन;
वो कह सख्त दे कर्ने मिलाओ वहां.
वो कह थी दिल में राजी जड़ोल मुराअद
वल करती नै ने ह आं से सदा.
परी आके शाह के के आगे खड़ी;
लिया के वसल के मोमें कर घडी.
पकड़ हाथ शाह ने लिया मैं सकर;
गया ले उसे के वो कह मसनद ऊपर
दोनो बैठ मसनद ऊपर जोकिलज

नं. ३

लगे पिने मग़ अलसे आत आती रोराज.
कुवा है के से ठज रौह् जे फ़ अर ;
परी से वोह् ये कहा ठरें जुदलर.
परी ने कहा है के जे ने ऊ नाम ;
हमें ऐसे रोश्रीरा रस कुरेंगे मुदाम.
नहीं काम हमें रेसी लाजी कयो ;
नहीं सर पे अपने बलाजी परो.
सुनो ऐ के तुमसे मैं करती अरद़
थोह लाजिम है तुमको अल्के हैरद़.
सुखे दे वन्धावे यहां से यहां ;
नहीं आल पीसें करो तुम ज यां.
नहीं आल करणीव़ पीसे ओलना.
छुपा रखव़ करणीह़ नहीं ओलना
जहां तण रफ़ि तुमको ले हुस लाअेवे
लमारे जनाने ली हिपलाअेथाह
व जे सुजन तुं हसे लिकुलोन तुम,

रोमो जाल पोरी हक़ में मुफलरन
न होवे उसे तब तुम्हें कोई ठ वाज
वोह तब हिलोंमें अप ने के कोई ठ तूमु
उसे नजके देखो के है जे कुरार ;
उसी वक़्त केरना सुपन आरोडार
के हो उसको फिलना मुझे जाल है ;
तु कुछ रन सुले मां कार जल है ;
तो मैं शाह दिल कुछ के सजल जयां ;
कहें आलम ारी तुमन पर जयां .
जे ही आल उसको जिलासो के कहो ;
जयां के के साम झ के र मु पर हो .
वोह नज कोल देवे तुझे जो फिलज
उसी वक़्त उसको पेह तुम दोल वाज
के हो उसको ऐसा के मै यारमन ;
मुझे जान्यो है आठ जानु कमस्न :
मुझीसे था ठज देवे तुमको रल ;

जल्द ऐसा दीवाना करोगे मजल.
उन्होंने मजबूर है यह मुझे ;
हमको उन्होंने जाल में फँसा के मुझे :
मुदा मुझे छोड़ देना उन आपसे गा।
अब आफ़ी यो किस बकुल पर पायेगा
रहेगी उहां तुम्हारी लाज लाज ;
तुम्हारी कहीं डरी मैं तुझे मै उपजड.
यह मुझको पत्नी ने लजा सुन किया.
पिछे पादशाह से लड़ जुम किया.
हम मज़ जुम हुआ ले तुझे होता है ;
यंज़ कौन तेरे संग मेरा डो़ ज है .
नजर की करणी ब़ तुझे छोड़ दूर :
जगादि़ सिंह मुझ को लेता है मगर .
सिपाही ऊठा लबो आ कर तुम्हें :
यहीं काम करके जुलाउं हमें .
ऊ़ हाशाह यहां से हैआया आजकल :

न डीथीं परीयां दरपे छीन लीजर :
न जोले नयोले किसी साल वो रू ;
किसी से न करणीट करे जाल वो रू .
परीयां देव देखे कुजे थेन नयाज ;
छिड़कने लागे उनसे लाकरगुलाज .
सली मिले कुछी कुछी रिकाने लगे ;
नमाली नकोत उनसे दिखाने लगे .
न जोले सुपन और का छिरपे लार
मारे का पासिने पे वो रूआ रू मार .
परीयां देव केरां र के देखे काज ;
कुजे रामने रो रू के सली पाजेमाल .
अपने कुअपनेमें वेगाजने लगे ;
वले देख रो रू की वे ठलने लगे .
छिलाकी कुवा कया के अजरोरू को .
जंधारे के रोरान उससी मारू को .
नल नें कुवा कया के को छिरके ;

न हिंसा धिर की को हे लद धिर है ;
हमें देव को क्या देवेंगे हवा ल ;
किया हामें रो हले हैं हन हो ल
अपसमें पिरीओं वे आदिम हुए ;
अहोत हो रज्जे दह वे आदिम हुए
वहां लग वाह देवली है आया पारिलु
ले देआ लो हर को हे है हे ल लगा अ
नट रपा दमा ह पर डिया देव सुरेद
देसेरो हडी दरणी ट नहीं उछडीमृ
पंडा पाअपस को वाह अहाल कर ;
पडागेम डा टलल मिने डापर .
ऊँसा देअमी ह को वाः दिसरिरा टर ;
पुलामे परी देव कहे पेरा कर .
लगा पुछने डट को पुं प्यार हो ;
गट जहां तपेरामें वाह लगार हो
ड हो क्या हुआ है मेरे साह डरे ;

मेरे दिल के गाहक ये हू दिल ज्याह को.
सीताजीसे जो जो ये ह कया जात है.
मेरे रोह के सिर पर ये ह कया घात है.
अगर समये कहोगे तो जायोगा जान
बगारनें मैं सजा हुं लेता पेशान.
हमी तुम जो ले सती वे सीताज.
सिर्फ़े देव डो हैं ये ह भी जुरहवाज.
जडे तुम को सरदार पुरण्यान के .
हो प्यासे पियारे सुलेमान के .
तुमन पर थो ह जहर जो दिल्डी है जान
छुपा कुं रखें हम जो तेरे संगात.
रहेते हम सती पे उसी के हुजुर.
पल कु हम न रहेते ये हम उसें दूर.
ये हम सदा उसके हैरमान में ;
जो कहेता था करते ये हम ध्यान में
हरा जरली हमसे न तकसीर है.

हमारे लरके से नहिं जणी रहे ·
लो कुछ हमपे लहेर यासो उहे ;
अगैर अब ह उहे हमन नहरणी हरहे ;
अजे डायकु ऊठा यहां से रोह अप्सवर
कुरल अैसल नहाणायकाऊसलीलर
अजे लाणाया पा वोह जे बाउ हो ·
सीता जी से अपरीं वोह पा बाउ हो
वो दो पे हर अम्मदम्मह दिया बाग़से
निकल अहारम्माया जो दाग़से ·
पडा है सीता जी से मुरजाम्मे डर ;
न लन न अबा उया पेह ग़मम्माय उर.
लो कुछ हम्पे लहेर पा वोह सब उहा
हरह अजे उ बाउी नडाणमें रहा.
येह सुन देवरी आहे लेन ह दिउ आ ;
लगा पुछने ऊरुडो उ अै दिल देया
लेला हि से अमेन मैं पाया अया ·

वोह तो कहो गीता जिसने जाया भया.
वोह तो कहो सतीश जो उसी के हुजुर
जणा पुछने उसको फिर जा मुहेर .
कहो तुम्हें कोण ने कहे येह किस जातका
कहे मैं तरहुद उसकी जातका .
कहो तुम अणार आदमी की यहां ;
मडी में कहे अ कपलक जिसमान.
कहोणार तो कहे आदमी पूजरे ;
घडी तरमें जाकर कहे हैजरे .
गीता जिसे वो जो मैं कह मुंहदेहोस,
जे कुछ हुकम करदो जत जउं छे ताज
तेरे बिन मुझे कोई नहीं दूसरा ;
चैरा डडा तेरे ती मुझको जणा -
फिर करने किया आठ कयुं तुझम जुज.
जे कुछ तुहे वोह मुझे सजुडजुज
जे उसने कहा वोह सत्यी सीहसुना

વજે રોહ રહા આપ હો કર મુના .
નજોસા નગા કુછ તી ઉસ્કે હુજુર ;
કુવા ણમમે મિલા ઉસી કા યા મૂર .
દેખા દેવ રોહ ડો કે હૈ જે કરાર ;
જણા આજ જહને કુવા જનરે નર .
ઉસે દેખ દિલગીર હોકર કહા ;
કે દો ડોલ મુઝ કો કે હું માનગા .
મુઝે ડોલ અપને દો ઈમાન કા ;
દિગાર ભંગા દિલ્સે મુજે માન કા .
ભીં માંગૂ તેરે સે સો દેણામ ગુમાર ;
છુપા રાહ મેરા કરીં આરોકાર .
જે કણામ સે રોહ ને સુજન અે કે કહા
કે યેહ સુજન કે કે કર કે ફિર મુપર કહા
યેહ ઉલના મુજન સુન હુવા દેવ જુરી
કે હજદીસે જો લોકરે તુઝ પૂરી .
જો હૈ મેરે નજદીક સો નહીં તુઝસે દૂર

कहो जाके हाकिम कैसे मैं ज़ीर

कहा शौहर को उसने के मेरे पिया;

के जो मुझ को जा के वोह तुझ को दिया.

जो दिल में है मेरी कहो तुम सभी

जो कुछ तु कहे सो मैं जा उस ली.

कहा शौहर ने अँवल मुझे को लदे;

पिछे उनके कहा तु मेरे दिलको ले.

येह सुन कर दिया ओल उसमान को;

दिया जोनमें हज़रत सुलेमान को.

लिया ओल शौहर ने उसी से वहां.

किया सुलेमान नें हसे तली फिर अया

कहा उसको सुन येह मेरा है सुलेमान

मुझे अपना दिलसे तु जानु हसन:

येह सुन दे व हो कर अहोल छट तमाम

ज़मीं पर गिरा जा के वोह पेसो लाज

ज़मीं पर पडा दे व अे होश हो;

नसा से लगा आह करके वोह रो ।

दिया और कहा मेरा है वोह और कज़ा के

कछ से हैं सरहे हमीं और दिल के ।

जलं जअ़ह मुद्दत वोह कुरायार हो

कहा मैंह को ऐसा वोह सा प्यार हो ।

उठी उड़ा दिया छोड़ कुं गम गुसार ;

चले वोह न मेरे है कुछ भी अलीयार

परी वोह न मेरे है कुछ हाल में ।

वोह रहती है मुझसे सदा याल में ।

डली वोह न होने को आली यहां ;

नहा करके लली लहां डी लहां ।

नहीं मुझको मआ़लूम भी रहता मकाम

के जा करके तुझको मैं हूँ भी सनकान

न जो ली वोह मुझसे कुली अपना मो ।

वोह कहली है मुझसे सदा भी अलीमो

ले कुछ भी होह कि कल वोह तुझसे कहीं

दुहाँ आल आड़ी न छिसमें रही.
कैमल लुअ नुझ कां लेरी दिल अरी;
दिलो लंसे अफ़ेरी मैं लुझ डाँ परी.
लुअपने लरहुंदसे ऊसके संभाल;
हुरो लेके आपेस केमल जअ डीआल,
यह सुनले उठा शाह लअ जोड़कर,
सलाम को दिलकी गिरो जोड़कर.
वो पी उसके लले किलिदे लिआ;
दिया जेके परी को उनेल अजुआ.
कहा रोह परी को वो हरीह जोड़कर
केले आणअन्दर कुहैल जोड़कर:
पीली ले लुअरा के न कर कुछ किलअ
जुआला लुआ लु हसन को गीता अ
कहा लेके मेरे उसरी को सलाम;
अलं सअ कहो ले कु वा हैं ल नाम.
येह सुनके परी ने ले जोआ कुहैल;

ऐसी आग अन्दर वोह है पुरी सी कुल
देखी क्या के वै ही है आलं, हसन ;
फिर कर मंद है वै ही है अन्दर पेमन.
परी ने उसे लकिया है सलाम ;
पिछे पादशाह कहरी है पयाम ;
ऐ जो तुम कोरी हने बुलाया है अज
तुम्हारा भुध ने किया काम सब अः.
येह सुनते परी शुकर करकर उठी.
फिर दिल आपने पर कर सदी.
ऐसी हसन आनु परी के संगात ;
परी आप कड हाल में ले के हाल.
निकल कर चमन से वो आछे परी.
वोह नल दी कुईह के रही आपडी.
हंसा देवछे सपरसे कह हा पुकार ;
कुमे हरण्डा हूम लार मेके हार पेर.
जगा देवके हने बीसे है सुमन ;

के क देखा तुझे हुआ ऐसा नुकसान ;
येह है जिन्स आदमका मुनआदमीयाह
कलसां लेआ जोम है उसकी सिपाह
जडापा दमीयाह है येह दिनसान में ;
कै मरा हूर चेरान तूरान में .
वहां के येमनडा है जेरा के येह गुल.
नकरना हली उसको तुमुछ मे हल.
उसीसे मुरव्वत करो और प्यार ;
रखो तुम न लेकर उसे करके हार.
मैं देखा तुझे हुं यहां आदमीयाह ;
रहो जे कल हो के तुं मेहरोमाह.
येह है आदमी और है तु परी ;
तेरे पर है आलम के दो दिल अरी.
परी उठके बोली के है सच कहूं.
कहां से न तेरे मुझे है उ हूं ल .
येह कह दे व हल्दी वहांसे उठा .

पकड़ काल हो तो के कर अेक ठा.
डफ़ा देव हों तो को आखिर कलाम ;
कभो अैसे छिरारल पहां तुम मुदाम.
मीले आपे हों तो पक़ी सीह़ परी ;
सदा ऊत्हो काम्सिल रहे अरतरी.
करे अैसे छिरारल वहो नो ठ ने ;
रहें सो ठ करहो वे मिलवल मने.
पिवें सो ठ अपरमें वहो मी लेके मिल
मिले अेकलमें वाह़ फुलफुलवफुल
वेताभिओ मलजुल पे अेक ठार ;
रहे अेक पर अेक को कर निसार.
करें मैं करीरी वे फुरीरसे सदा ;
नहीं वे पलक अेक फरणी ट जुदा.
वे मोह़ब्बॅत के फ़र वक़्त आ वेंअ नार
पिवें लमलरलर के मैं अे फुमार.
येमनमें लअेसाक़ के वे नौ निकाल ;

रहे थे जब गुन्थे मिसल जो मिसाले
कों सैर जुज जुज मिसल फालरहे;
जलुद. ऐस्कु जाळ दिदार जरस्से
छोडकर वतन को आना जाके
राम का और जानुफसन

कोहमराह लेकर.

कहते हैं के जेडयाल जहेरामगोर
देखा ख्वाब छससें के जिगडाहैलें
मुजह कोपी ठाहै थोह कोंकरपिहास
जरा जरनसोह डारफा कुछजयास
कहाशोहपरीपोकोके जानुफसन;
मुझे याद आया है मेरा वतन .
वतन की बुरी जाल देखा हुं मैं ;
सरासर जराफे को पाया हुं मैं .
जबर तुमथे जो लोमें दे धुं वतन
करें लके मेरे वतन की हतन .

नं. ८

अरसे पांच गुज़रे मुझे सा मुक़ाम ;
मुल्क कानन में कुवा कै दया काल .
मुझे आज कै साल म हेल खीं वहां ;
वहां लके रहे मुं उ हे सजमआयां .
कहो तो मैं ल देव से येह सुखन ;
कहूं तो पहों आवे मुझे वो ह वतन .
परी खो ठे जो जी के मैं लाल दार ;
किसी आलमें कै ते मा छि आली यार .
मैं सा जो कुछ क़ी क्या आज कहूं ;
कहां ले ये जो मुझ वहां मैं पहुं .
गया राह़ नाय कै वो ह देवके कुलूर ;
कड़ी कुल किया प्या न कीस जन हूर .
कहूं क्या के कहे ना पड़ा मुझ नहीं र ;
वतन को जे ले वे मुझे आज कुलूर .
मुझे याद आया या वतन और यार ;
से लकर दिखा वो मुझे ऐक आर .

અગર મુલ્ક પે ક્હોં યા ઓગો મેરે વતન.
તો ઝુઝુંગા એય્યા મુઝે માલો ધન.
પિછે કહો તો ફરણી હવનક ઊંચપર
જુદા નહીં રહુંગા મૈં તા ઊમર ભર.
યેહ સુન દેવ બોલા કે એ લલનમન
તુઝે આજ પહુંચાઊં તેરે વતન.
ઊઠા દેવ આયા ઊસી વક્ત જહાર
કિયા તખ્ત મુરસ્સેં વોહ એકદમ તયાર
બુલાએ ઊને દેવ યારોં કો વાં ;
લેગા વર જહોલ પૈસદા પેહલવાન
કિએ દેવ યારોં ઊને મુસ્તઅદ ;
ક્યા હીર જનને મંગા જે અદદ.
પિછે રોહ પરીયો કો ઊસી દમ બુલાઈ
પકડ ક્હાપે પરીયોં કો આ લુબિહાઈ
અપસ સરસે તોડાએ ને બાપાએડ.
દિયા રોહ પરીયો કો ઊને દેવલેડ.

के के काम मेरा पड़े गा रहा है ;
कि से आग ऊपर से के आन है .
उसी वक़्त तुम पास हूंगा खड़ा ;
करूंगा वही काम ले के अड़ा .
यह के कह उन्हों ने लछमन पर किया है सवार
वोह प्यारों दे वों को कहा के पुकार .
कहा तुम सीता जिसे मर दों लछमन .
उन्हों को पहां आओ ले न कर वतन
रल ले के राही हुए हैं वहां ;
पै जो मुलुक तुमान को वे दिवां .
उड़े लछमन ले कर हवा के ऊपर ;
हुए आ के नजदीक कै लूह लर .
वे आ में वहां जिसे दो पैकर के ;
किनारे पे आ कर उसी सेकर के .
वहां से कौसा की जड़ा से पेमन ;
कहा साह मुझ को उतारो लछमन .

ऊलागा वहां लम्न ऊन पे आहू डर;
वोह नालुक बदन है जिसे माह डर
गीतर करके वोह सोहे आलम पनाह
कहा प्यार से वों लरके हर निगाह.
के हो देव अन लव सिहले सुतर;
ऐ के अस्प ताऊ अने पुअ तर.
ऐ के सिकले आदम अने नाम दार;
येह लिनो तरह के हल दहो लयार.
वोह ल ज्हीसे ऐसे से डिअे डार हैं;
वले नों तरह के अने मार हैं.
सदा ऐ के पर अस आ अरोह ने समाम
कुयम पर कसा कै रोह ने क नाम.
ऊसी पर बिठाया है आनु हस न;
पिन्हा करके जुरडा ऊसे आ हलन.
कु या अस्प ताऊ ऊपर रोह सु वार;
पियासाजको लेरोह रअन्दर जेक आर

पहेमाना नरींह को किसी ने हरा;
सोहर के अनदर थी सुनो अेक सरा:
अड़ा जनसमा के वो हरीरो हमाम ने;
उतरने की जगा जगा जा कुने.
सरा के बुलाया है दरबान को;
दिया अेक मोहर उस निगाहबान कु
उतरने की जगा मुझे आस दे.;
कुबिला है मुझ से खासी वासले.
उहा जोंल दरबान अेन वह वां.
तुम आअे कहां से है जना कहां.
कहा हुं मैं ताहर लिजरन को पहां.
आया पेके हुं दुर से सुन जयां.
दिया घर उतरने को है नेक वार;
कहा तुम रहो यहां कबिला उतार.
सकुबकडिया सींह ने भाडी उपर;
ले के आंधा घोडा अने दो सुतर.

कि ले क जम्अ हे तुँ दिल वे आमे भीतर .
किसी लपे ऐ ठ हैं गो ह आन कर .
गुज़र आन भीसी जमे पर थी अड़ा
नज़र गो हू के भीपर वो ह करो पड़ा .
भी ठा भीस्के दिल में अफ़ोल हुल वजा
पड़ा भीस्को ळवमें अड़ाल लमला
वो गो वे पिला वे अफ़ोल आह मार ;
आपों से पे ले आज भीस जे गुमार .
कहा भीस्को गोह ने के क्या ग़म तुझे ;
तुमो ला है क्युं येह सजअ के ह तुझे .
कहा यों है दर आन से अब्सवर ;
तु क्या पुछता है मुझे येह फ़जर .
तुझे है अहरआठ से पहेल वांन
मुझे याद आया मेरा गोह तु वांन .
कही आल तुझसे नहीं कुछ कही ;
तुम्हारी वोह सुरत पिंकुलयी सही

वो ह् पाले इक सुरत ने स्या हे अअदल
मुहीत था तुम्हारे अरा अररीडल.
वोह् फ़रअेइ डीडरतापा सुनदिअफ़ शी.
रघि पतडी फ़ातासदपर धरी .
हु था ठअरेगुम है वोह् रोह् नामदार
मुलकुपर पडा है अलन आरी डार.
सी कुलगीमुडी रोते हैं हम याद् डर ;
अपस ळ न्हण ली डो अर आद डर.
पुछा गीसुो अअड के तेरा रोह् लुवाल
गया वोह् है यहां से कहो है ठहां.
अली यहां डी रहा ही कहो है किसे.
अली हडले दी दरसणा ही किसे.
इहा लअ गुठर आन नें सअ अयां
ले पा घि अली दासे किया वोह् अयां.
हु वांणंम वोह् ळसरोठरसे नामदार.
हुवा अेइ घेरडाने दौलत म दाये :

वल्हर उस्का पीछे र मुन्हमें अमल.
दिया जिस्कुं सअने उसे लाले तमल.
वोह् करता पहांडी है रो ही छे लाज.
उन्हे राहर सअ है किया पाअमाल.
अडा उस्ने ऐसा किया है सितम;
दिखाला नहीं कोई उस्का हुकम.
सके लियां महे लडी सली मासोमू
बिगाडी उसीने अऐका अेक तमाम.
मगर रोह फल नहीं थी अेक मुरादिकल;
उसे यें न्हमाह् का था कके ते कमल.
हुकम वोह् नमानी उसी का हरा;
हुकम उस्का उस्ने दिया था खिरा.
उसी पास करणी है नहीं वोह् गले;
मुदाके हुकमसे वही अब रही.
हुवा उस्के मुसें वोह् वल्हे रोकीर
निकाली महलसे उसे कर तगीर.

वोह् जंगलमें रहता ही हैं गुजरजना;
रहा सोह् जल ही हो उसमे जना
हमी यार रहा मेड उसके म नदर ;
मुसके नान हो उसको देखे मगर .
त्नी मेड कुलपानी हा हैं कर दिया ;
यती कुल हा मेन बीसी का किया .
उसी लिये के फले के वोह म नसरी ;
जनी मेक जडका जफोल पूसा लरी .
वोह हेर जं नदहों के डाजफोल पूरा लिकु
के जुयां दपुलम का हैगा उगा .
वलेकीन उसे हैं दहे रसभ्न लर ;
न लनपर हैं कपडा न मन पेरलर .
जरस पांये गुलरे हैं गुज नमने ;
जत्नील के हैं जले ये दो नो जने .
वोह् कडला हैं लिम जुलम पेसकुछ
जसा न होंपुहा का किसे पोरे डर .

येह सुनकर कै रोह को उठाये के बैठा
अखियां से कै आंसु पे ले लगर लिया
वले ग़म सं लाला सीने ने किया स.
किया ग़म का अपने अन्दर दिल सभा
मुआ हा मुझे को छे पिछाने पक्का ;
कहे लेह मेरा ठोछे ल व क्या :
कहा ल अगुहर जान के लैं हो वेगा.
तुछे सग़म से कजल क पहीं रो वेगा
तुल जैं ठघा नें अपन कों सबूर :
जुदा से नहीं कुछ हरा जात हूं.
मिला वेगा वो हैराह तुझको जुदा ;
सबर का वो ह तुझको दे वेगा हल.
गया ल अगुहर जान डीस ठार पेर
दरदगम को लिने अंदर मार कर.
वोह ल अरीग़ ह उठ कर पड़ी मासल
कहा मुझ कु छे कै मगार छिरल हा.

रञ्ज दो मुझे तुम घड़ी दो मे कार ;
जिस्मे तेरे आडिं में करके गीडार .
परि ने दिया दिल्को मेरे साठ थाज ,
करोञ्ज रहा तुम दिठामे अमिल्ल
दिठाराक़ वफ़ांसे जफ़ांर मआझे करे ;
जो लाडिस गुठ रहां फ़ांसमझामेज़ु
इफ़ाम अमें ञलाहु करने गिफ़ार ;
रफ़ो तुनफ़ अरदार धिस ठारयार .
येक केफ़ दिमनके लैरा ह़फ़ो उरमुयार
मेला वफ़ांसे सफ़रामें अफ़रे गिठार
समायाअम ठअ डिमस घडी रो दी या ;
योह़ दमसुरनदिं कुधे सवारी किया .
अडे दअदजे से योह़ फ़ो उरमुवार ;
डिमी लारहे निकुलामोल्ती नाअडार
सुदा होले करने का यासो ठरेर ;
नहीं है योह़ मिटलाली उरता ठहर .

परी ने अेक अेक दरीचे की राह ;

जभी देखा ने उसको कर कर निगाह

ली कुदरत खुदा की का देखो तो खेल :

हले देख जली जवें रफ़ां ली लेल :

परी पर पडी जब उसकी नज़र ;

उसे देखते ही हुवा बेखबर .

उसे देख दस्तुर वोह लजमला ;

बडा हो के ख्याल सरा को भुला .

कहा उसने हणा के परी अरे सरी ;

न हरगिज़ मेरे अकल जरतरी .

ख़बर जो वोह कौन किसकी हती

सराबिस है कौन येह परदम्नी .

गुहरयां को ख्याल सरा ने भुला ;

पुछा कोन है वोह कहां जन अुला .

येह औरत है किसकी रसोल कहकरो ;

किसी आलससे मुझ कोआ कहर करो

गुहर आन ओ ला है सा के अस्हल
ये ही असल री हण में है जे मिसल
य ले अे कुह वां डी है यो ह् असरी;
यो ह् करने हो आया है सब दागरी:
यो ह् फा हर नहीं है गया वो ह् अ ड़ार
गया है वो ह् सह रा में अहरे सीकार.
ये सुन आल प्याल न सं-गा आहीर;
के फा ल सीला असिरे ऊसके कुलूर.
येह् सुलडरं के प्याल सराडो ठफा;
के ल डर सीला अीसे लु ऊसको जा.
के जे ल मिया नामे गा झयारी के सें;
यो ह् लेने येला ऊस असियारी के सें.
येला ले के प्याल सरा ऊसक ने;
अडा लरहा ऊसके फो साम ने.
लगा. ऊसको के हने मैं गुलयासमन
ये.लो लुम सीला अीसे नालु ऊ अहन

जिनागा है रोग न लगा मेहरो माह;
कु था तुझ पे आशिक मेरा आदमी ह;
पे जो तुम गिला जिसे लेयार हो ;
तेरे है लिये रौह छोरो आर हो.
येह सुन्दर परी होगी छे ह तराज;
दिया है उसी को जिने येह ठ वाज.
अ तु ठहेन नहीं लेर पहां कुछ हर
किया नाम तानुस पुंजो पेर .
कहा मैं पलुं हां तुम्हारे संभाल ;
व लेगा र सुनो मेरी तुम जो कु जाल;
मेरी है छोटी पोथा कु संदुकमें ;
नहीं किसी कुी किलो मेरे हाथमें .
मेरा है लेपरों हरगया वोह अहार;
जो कर साथ मिली वोह करने पीडप
अगर जो तमुळ डो तुम्हीं घो कुरेल;
पजु लेपहांसे मेरी पेह पीडल .

मैं लचार होकर तेरे संग मैं हूं ;
मैं जल कर तेरे आदेशा क़से मिलूं .
सीता खिंचे प्याल सरा ने कुहेल ;
रेखा ओल हल्की उसी के अगल :
रसे पोशाक अप नी उसी ने ठहा ;
पड़ा रेहल प्या कर लु प्याल सरा .
हकां जगा कुई मैं अपस का सिंगार
यहां सगा पड़े होर को लुभ अहार .
पड़ा लकुं को अकार प्याल सरा ;
लगा उस अस्तरी ने अपस छोड़ न
वो ही रेख्त जे कुर परी जर में घर ;
तुरत वो क़के जुलर ही सुरत पे कड़ .
दरी पे की रा क़से निकुल कर परी ;
किया क्या परी ने पे क़ल दृगरी .
मुकाम्बिल को जल जैर छपेर उपर ;
सभी उसको कहे ने के अब लन वर :

मै पर अपना जुल्म करूं कै तूं वळर ;
जुरी आल तुने किया येह गीरीर .
मुलकुमाल डीरकुं बिगाडा कै क्यूं ;
येह अपरकुं मैं करमकुं असारा कै क्यूं
को कुरेपी यार अया या कै जे करामगोर
तुमां प्यों से को डरणया अप कै कुर.
डरया से डरेगा तुजे पामेमाल ;
तु उजल डुरकेगा अपेस डोरसंभाल
येह सुनुरगुवार प्यान भीसंीसे अपेक
तुजे गारमिजेगा कलेगामन न :
डको डीरकोमेरे तु अव्वल सलाम,
अलं डीरकोमैसा किया कै पयाम.
सच. हमौ करडो अैरो क नामदार .
मिंजुणी तुजे मैं वहांगांमगुरनार .
डरोगामे प्याकरी तु दिलको मेरी ;
वहां जाटरे पुंगी लडर तेरी :

नं:५

यह कहकर सीता जी से कि वोह छोडी .
सुज ज ह. गो कहाम दूर परी ल पडी .
सुपन न यह कहा लो परी ने पुकार ;
कि वा गो कर सांरे अ हरे आरण्डार .
यह सुनकर वोह दस्तुर हो गेह लगा अ
कहा मैं कि हम आमत पुजा कर सीता आ
रहो यहां जि जार घार पा न सद मसवार
कहो पास आनी यहां धि नली आर .
वोह जे कहा मसा वे पैसी हार पर ;
ले आओ सीता जी उसे मार डर .
सीता जी से जा वे लो उस मार डर ;
उसे दे के रा कुडी गा मैं ह. र .
रके यहां जि जार घार ह ज. वे ह वा ;
हा मा आप फिर घर जो वोह जे पैमा
कि जेंवे वोह जै हा के कुरी यार हो ;
कुला है वोह जै हा मि जार घार हो .

गया था वोह फिर कर अपस हार कर;
सवारों को उस जल मे पर छोड़ कर:
गुहर जां को ऐसा हुवा ल जहिर
मजा दाम ला ओ वे रो के जे पे जर.
करीं ल के मां कर छोसी जाल से ;
जये ला रो क न रो क छोसी चाल से.
फिर कर कर के दिल में व हां से पे ला ;
रो कर के वोह जा कर उसी को मिला
कहा सुन ले के ला हु मैं नाम दार ;
मे ला ठ ज परी से लु करे न रिकार.
ले दे मां के मैंने वोह ल कर के ;
रो जे अनु से मैं मा कर के.
नहीं पूछ तुम्हो ले मा नाल जा ;
स लो ने पे के मा ना लु के जर मिला.
जडा रे क के जो ला के रो के अगल ;
जया ने कहि कि तम स ली जो ज दिल

उड़ाथा परीने ले उसको पे याम ;
किया था कि से वो लो सा सा लमाम.
अगर मेरी प्या के सो तुझे हो ढवां ;
स अ ढरी कहां लती हुआ यो वहां.
पुछा रो कि बेल अ है गुढ़ रआं के लें ;
के कुछ और तुझ को कही या नहीं.
किया अरढ़ उसने कि तल अ आनियाढ़
के का उसने रमो कि उसी कि मेरो था हरा ढ़.
ले मुझ से के ही वा कि मैं लह र किया.
किसी स अस मैंआ का को मा का र किया.
न ढ़रमें ले आवे उसे तुम कहो ;
ल सा के यहां से के पि छ फिरो.
यह सुनी था कि दिल में हमें सर ढ़ लार ;
कि था अगुढ़ र आंसे पिछ को फिर.
मि लो और आ या उसी आग में ;
उस ना र आ के औ डा अं र राग में.

दिया पाणीसे दवने लेके जाल ;
रोना उसको है आपपर नौ निहाल :
हुवा गमरम आलमरा उपर आशकार .
हुवा देव हाजर उसी जंगल में .
अदब से नेडा हो किया है सलाम .
हुवा आके वो दूसरे वही हम कलाम .
कहा क्यों मुजे तुं तलब कर दिया .
मुजे काम क्या है सो तलब हो दिया .
लगे कहने वा हो मुजको अमली तुमडको
दिये करमें नहदिलमें न करनी ठरको .
कसम है तुजे मेरे ईमानकी ;
तु दोस्त और हजरत सुलेमानकी :
दिया हुं मैं तुम पर दिलो जानसे ;
कहो सो जनाबीमें ईमानसे .
कहा उसको यो ठर करो हनते हैं यु ;
गिरे हैं लाचार यहां मैं मुसिबतजदा हुं

मुझ कुम्हे जमेरा हुआ है अराम ;
अने हिरपरी ने किया है ठलराज .
परी दीडगा है कै अज ठरो कर रो ;
नहीं मे करआ है वो क़ जे मे करडो .
मुझे दाग़ पर दाग़ आया था अली ;
ये क़ न कुसद अराजी हो मेरी कुली .
दिवाना मुझे वो क़ परी करता है ;
जुअलणाम का सिर पर मेरे धरणा है
लगा है कि मुझ को दिवाना किया ;
मुझे अपने जुसे जेगाना किया .
मुझे मैं न करणी ठ नहीं धासविना ;
तडपना के दिल जुमछ ली ठलाप्नेना
जुदा है की आल नीसब्ल कै जडी ;
वो क़ आल नी से सिना ठले कर घडी
लगा पीर लमुझ को वो क़ लेणी किया ;
परील के वो क़ पंपेडा कै ल्लोणी किया .

मैं ने उठाया यहां न छोड़ी वोह परी ;
ये ख़ाल न पे अपने में आ किस तरी .
ले आ उस परी को या मुझ को ले चल ;
जफ़र फ़ास मुझ को परी से मिला .
कहा देव मुझ को के सुन ऐ अ[illegible]ह ;
परी आलपरा करनु हिस्से लगी ह .
सुन जरी हार का नाम कुअन ह सुना ;
न हिन्द कु उसको न कानों सुना .
य के ड़ी न मेरा लाट सुर पहल के ;
कने सन जमे उसका जड़ा हाल के .
कि सजमे को के कोह का उसे आह के ;
हो. ले न दय पुंच्याट करा ह है .
वाह मल जल्ला ले तुज को वहां पहोंचे ओला
सज हरी फ़ार वोह तुज को दिखलायेगा
ले को काम यहां हासा जेठी करो ;
पिछे मा ये मेरे गिला खीर सो

कहा मैं ने ऐ बदख़ो की काम कर;
यह दस्तूर आओ बजद मारे कर.
मेरी सलननल मैं करीं अप ने क़ाफ़.
पिछे मैं येज़ुणा तुम्हारे संगाल.
जुआ याणी ने ऐ कलज देव डो;
कहा हौड लयफ़ां अरे दे वस्तू.
फ़जर आ पीता आ जी सीसी की क़र डी.
तुआ करपज़ार दे मुझे दकर डी.
यसा देव उठेरी क़ै लैनें फ़जर.
करे दे पमझ तूम फ़जर मुशलकर;
खिशाल के पौ देर देव मोरीर;
तमाशा दिखा के दिया जे न झर:
मुना लोपे आना कै करे ठार ठार;
किजमे पर व डो ठों पे अन्दर अक़ाय
किसे हमझ लशा करे उठने जे अदद
तडाके के ऊपर आडे मुरस्त अद.

वके थोणारो फ़ोरडेडरे देवदेप ;
कुमे दिइरअव्हेर कैंगेमनाकलेकु .
किलेहिलोंडरले किले पैपुरो फ़ाल ;
कुल वेगा ललाजिमये फ़ फ़ोपाओमाल
फ़ेसाया फ़ैमअलगा फ़ुलफ़ेरा मणोर ;
वलेदेवहा नासे पकुडा कै लेर .
अलरमुनये फ़ दसूर फ़ोले कुसार ;
कुमाओ हमम फ़ोडे दवां फ़ लर ;
येफ़ सन फ़ा लसा कुरे ड फ़ां देवसिलप
सुलाया ले देजा ग़ीने जे फ़िलल .
ग़ीठा देवगा फ़ुलसे कुनामदार ;
जुलुरणी देग़ीस्को किया फ़मकिनार
पिठासु र लंसा वो फ़रा फ़ुल सीलर्ट
कुसाओ तुम्हीं ल कुमअग़ीसकु लें
गुन फ़ुगारवी फ़ू डाके वा फ़मोर कै .
वलर ग़ीसकुमुल वसीर लेर कै .

उसे मारना है तुम न पेश हरब ;
कि ऐसे सज पै वाजिब है क्या करब .
येह सुन ते उड़ा देव वहां से शिताब .
गया उड़के वहां से निखाले सहाब .
दिखे कुया के औठा है वोह लाल पर .
जड़े दज दज ऐसे जहां तहेतुस कर ;
वज़ारा ने फेरडा ने दौलत जडे ;
उसी वक़्त वहां पर बैठा गर पड़े .
तमाशा सर वोह अपना लाल तक ले जे ;
वहां से उसी को वोह लेकर मे ले .
लहू पूर हुए सज येह पोमासो आम
अल जमे पड़े हैं वहां पर तमाम .
कोई कुछ कहे और कोई कुछ कहे .
तअज्जुब में होकर सभी मुंपर कहे .
तअज्जुब हुआ राह जके सामडा ;
हुवा पहुँ रा गुलगर आस और आसमडा .

यो कह दयालु सा देव ने आमहेर ;
जडाला क्रिया उसको रो कहे कुल्हर.
सुरेद देव और रोकह दोनों तने ;
दोनों मिलु जैठ ये आपसमने .
दिणार देव दानों ली कर कर ठार ठाप
जडे ये आग लरों कहे जांधे कुलार
वल्हररोडी दे जेण ठि सुधजिस
कुह्मजसमें लड़ीं यहांसे किधर.
सुरेद देव जो लाडे ऐ नाम दार ;
येह कावर तुम्हारा है कुरीम नम कार
कु यारो कहु डा ऐसा है उस दम अनर.
येह मज उलतो दोद हैणा रोमर .
सल वार उसकी यकी अज असलं ;
येजाओ उसी डो किसे डीमलं .
लिडा लोओं में चे रकुी और लुआ टपे
सल उसको पकुंपे किसे डी मणार .

रेले को दिआ कासे कों नमके करोम;
सल उसकी देओ यकी कै मुदाम.
यक सुन करके दे वां मैं तरहे के;
लुदा यं दद यं दद उसके करकर रखे;
लुने उसको आप्यर वो कीं आगापेर.
गझेआके तुकडे वकीं सर र जसर.
गे कनशोक दस्लुरको मारकर;
कहेलादि गेकरमें यक सजोपेजर
दिलासे कै ले लसलों को कहेला;
लेघरकाने दौ ससयो वो कआमिजा
यक सुनकर आमिरां दिगार लोगासज
सुदा कापुकर वे ज ल लाझे लज.
स ज्जस आज गो की के तें सापके;
आझेसा कनेगोंके लै कापले.
निकल गेकासे आकरआमे लुलु
जेडगेकआगापिछेकैं वे कुल.

मिले हैं आ के रौक़ से सल्ती आ सुदेर.
जेसा जेसा हैं न हरगीज़ ना आये हुज़ूर.
अमिरों वरदे पल कहे जे शुमार;
कि ऐसे हर हवा दीर हैं लाकर निसार
रोकनरोक़ ऐसे कऐसे को पासे घुला.
तजतुरे किया है सल्तों सेलुहा.
तवाल नीय फ़नरोफ़ने दरजानको;
अहोंत लांतसे ढीसगुहर जानको.
कहीरोफ़ने देवको सुनो ऐसी आल
मैं परसुपे सुगा तुम्हारे संभाल.
कहो ऐसे कुदीन पर्हां तुम्हीं अमुकाम
मैं ऐसे कुदीनमें ठरतुं लु छ हैं तमाम
कहा देवने तुम शितावीसे जाव.
जो कुछ काम होवे ढीसे करके आव.
ढाढा पादशाह हैं परीशाहर में;
जलनशादी या ऐसेसन दहरमें.

मिला थी से गी कने असा जल में ल.
उसी के मुंजह डा वो कु पो सो छल
लिकाला है जेगम वरी कल्दडो;
मेरे पूल लायां वो कु दिलसीरादडो.
पिठाया वो कु लाकर वो कु अवलादके
दिया ला: ह और तप्सरी कल्दडो.
आम्बियां ने हो से कु अ ये काम के;
वे ता जो कि से हैं उसी नाम के.
ने जदकार उसके अ पे यारगार;
जुला कर रसूलों को किसे से कहार.
सके लियां जुला उसकी मस जे जा सलाम
उन्होंने वो कु जदकार ने किया कलाम
पकड़ कर रसूलों को हलों में लाए;
दिये नो कु ल दे ओं को स जल ले ह उठाए.
उन्हें कुछ तरह के वो कु ले लतआम;
किसे पैग़ रसूलों को वे दे वां तमाम.

जहाँ ललाँत ठाकुरों वो हदम्भ वलड़िया
मुहेद देवको सोहने ज्याहेत दिया।
वेसज म्जा दमीयों को वकी देवसज।
पेल कु लिये आकुरणा जो मिलेकु सज।
कुम्जा देवकरसोह के हकुमें तली।
रके आग में म्जेकु सोज वे सत्ती।
म्जने सोह म्जेकु सोजर के मे हजमें।
रकासोह ल देखि सत्ती सुग जमें।
ज यकुले सुज ह जकार म्जायानि हल
जुला म्जें है दों ल लके म्जरकों सगल
जोला सोह ल देकों पारसे लिखा।
कहा सज म्जानियां सो हर के सुना।
पेकी सोह लुन्हारा लुम डाल्के वजर
लसँ जुल से रकी या डासी के मुदेल।
में ल लाहूँ जानु हस लके स न म।
नरकी यो पर जर दार को के जम्दज

कहा जिन सलों ने अदहन ला अन.
येकीरो क कमागामिल ७ पुदा.
पुदासे लडो छै रसिया कीडरे;
किया आपडा आपे कीं वोकलरे.
ये डेक सुबुरोकेन कां कों लयार;
सुरैर देवडे पारने पकोंयो अजे कआर
डका अअमिला मुकठो आनुकसन
मैं पाया अपस डासंली मुजो धन.
प्रिं ठायालंअलपर रीक डो लेडरठाउ
गाया अपने रोक डो मडांपेरपछा.
रप्या अजे कुरी जरी कडो कै वोक वकां
अवडलेरेतरं धीरको लेडरर वां;
रीक नरीाकडो अपने लप्तपर प्रिंद
ठीठाओ लप्त येक देओं डो डकां.
डका लुम डिलअं डारे डो अअसिंघु
सिता प्रीरीक नरीाकडो लुमपदों सिया

दिया सर कुशीराह को उसने तोड डाला
कहा छिस्को रखिये हतनसे संभाल
कहां छिस्को ऐसे को ऐ तुम आग पर ;
मैं ये कहां सुणा हत्थी व कहां आ न कर .
कि ता जल लिथी मे उठा छि को वाह
छिसी को सज झरो करके यकों या मे दो
उठा ल एक को दे व कैं वे उठे ;
कि उसे डाके डी ग़ाह ऊपर पे ठ .
छिसे लिये सुरआज को कुछे लगा
कहा कि सी देव ने सर असर .
के आसा कैं वो क्या दमी प्यारका .
नहीं हम में लस्के डा छे सारका .
सली वो कुछे रोह का छे न लिखर ;
ये ह सुन करके उस्को उठा गिर गु आर
जु ला मे उसी ने कैं दे वां पड़ी ;
ले छोडा ने दौलत पे सज सर करी .

कहा आशिक़ ने रोके कहे तू जल्दी से जाओ.
जो देखा न रो व कुल से उसको ले आओ.
ये सुन कर देव सुरेया ज़मीं पे ही मिला
मुक़ाबिल जो नै सौ फ़क़ देवा क़ैमत करके निकला.
वहीं शाह पी पहुँचा दिल में डारे डो;
सिता जी से लड़कर उसी आन तड़ो.
ये कह मिलन शाह नरोक जो आसिक़ ताज
मेरे दिल को फैगा अकाल छै तमाम ज.
सुनो छे संई मुझको मत तोको;
उसी लपेट लगी मुझे दो पहौं रेत.
मेरे दिल की दिलदार ऊँची है वहां;
वो ही मार मुझको गया छे उस मकां.
मुझे मैन करनी ठतकीं खेद तीज;
मेरे से छुड़ा कर गई मेरा दिल.
मुझे रैन डरनी लगी भारी लगे;
उसी दिन मुझे सजन में याद लगे

યેહ કેહ રોહ રોયા વહાં ઝાર ઝાર ;
હુવા દેખ દેવ કો ત્યોંહીં બેશુમાર.
ઝઘા ઉસકુ આરા કે ડા પેયદા હુવા ;
લગી દેવ ડોરં ઢ દરદ પયદા હુવા.
યેહ સુન દેવ બોલા કે મૌહ કે હુજૂર.
સજ હરો કર તુઝ કો દિખાના હરેર.
હમારા બેડા ત્યા ઉઠે હે બે કુ અૌર ;
અ હ જ તૌર હુસન ઊસીકા હે તૌર.
ઉસમ દેવ કે હહ કુ વોહ ભરીં હુર હે ;
સે સકુ દેવ પરીયાં ઊસકુ મામુર હે.
સજ હ મૌ હર વોહ તુઝ કો વો પહોંચા એ૦૨૫
લેમ ત લજ હૈતે રો વોહ ભર લાવેગા
કરો આ હમે જ તુમ યહાં પેરમ ઠામ
મુજહ કો કરેગા યેહ મૈં તેરા કામ.
કરે કયા બિચારા વો લાચાર થા ;
અગરચે બિરહ કા ઊસે બાર થા

रहा गालब कां रोह जाम्यार हो ;
खिरह जन्दपारोह डाग मख्वार हो
सुबह डा वोह सुरभ्याज के कुमजणल
ओसा देव परी यां लिया कै वोह कुल.
डीने कुछ तरह के मंगाये रासा ज ;
कुछ लुनसहा हर ठराया हुआ ज.
डराये हैं आने लरह डे लयार ;
खि छाज खिछाने ठीसीने कुलर.
जहां लप्यार से देव रीह डोले ल ;
जरा जर अपस डे लिया कै खि ठा.
रारा जो कुआ जोर जा जो लजाज
रखारीह डे आगे मंगा डर री ताज
कहा देवने कै के मैं जो म वर ;
कहम अपने रख लो मेरे सर ऊपर
लवलँ फ़रो टुड पियो तुमरारा ज.
तरा तुमने अपने लीडा लोड जा ज

परीयां ली हैं जिद मन में तेरे सली.
डरो अैसी से छीरारेन डी नक्कीं से अनली.
वो कह परीयां ले थीं जफ़ा लफुरारिहु
डी ले तासीरों कें किया रैं कर अगाल
कुछ लेर कहीं कडीं वे संमझाव ले;
नहीं सो कह डो कहगीत वे थीं लायलें
जफ़ो लगाल सों कह डो वो कह लारी गई
डी सी आह जिनसा ज अंधारी गई
हली में दम आया किया सों जडी दूर,
रेहर डा हुवा व कत आकर हहुर:
नंगा देव ने तज मुरसें डा लजन;
डी ने प्यार दे वां जु ला अे कैं से अन;
अपने सरसे लो डा डी ने अेकु बाल
दिया सो कह डो रख्वीयो छेसी डो संभाल
डी ने अेकु सुलेमां डी थी कुआ कह;
नंगा सो कह डो ही कै डका कै डेरा कह:

येहकैछ असलेरी अकोल कामं की;
फलमां जेया जेस येहकै दाम की.
उसे मोढ करके परीयोंमें तुलव.
तुझे को घे नदे पे तु सख्त हे आव
अने आ लमे गारे ओं आठा पेर;
गाला जीमें यकोसुं णा उस लम्से
छ्यां काम मे रापडे तुम को आये;
तो उस वकत लेना तुझे तुम जुलाये
के व सॉफ़ आ जम वको किसे जने;
उसी वकत येह तुम रखो से कने.
कुलादेवने हजके दी गाह ठे;
मे ठादेव पेर तअलियागाह वो.
उने ला घे कोओं कुकिता जत लिखी
कि का पत उसीमें लिखी गाह की.
कहा दे. वयारों को मेरे रतन;
घेसे ह स्ही लेल व तुम लाघे कन

कहो लछमन हक को मेरे सलाम ;
कि पेह काम उसका करो तुम तमाम .
पेह के कहके उन्हों को रवाना किया .
दिवाना को कुछ तसल्ली सिया ना किया .
उठे लछमन जे कर वे हैं उस तरहे ;
लछमन के देव के हैं पैजे पे तरहे .
कि तब उस ने मुहँ देख वे उस मोह को ;
लगे वहां पे उस माह ने मोह को
जब अरसें ह कि लछमन ने पाया के हल
वाह आया के पे लकर तो दे प्यास हल
उसे देख लछमन कुवा फुरील ला .
लिया रौह को छाती से अपनी मिला
जुरल रौह को बोला के ऐ ने क कार :
मेरे पर तुम्हारा करम और प्यार ;
कहा रौह ने उसको के ऐ नाम शुमार
मैं हूं नाम ट दह और हूं दिलदिगार .

मुझे सजदःगाह का था कि दिल में ख़ियाल
जहोल सौं कि मुझको निहायत कमाल
सजदःगाह को दो मुझे तुम पे हों सूब
मुझे यारगं में प्यार से तुम मिलाव.
व अगर नहिं तो मेरा बुरा हाल है ;
जडाले सा अरबसे छिड़ जाल है :
हो वाकिफ़ हे अगार तुम मेरे हाजसे ;
छुडा दो मुझे बेस तो हंबल लसे.
येह कहके रो जहाँ फेन दीआजसे
दियाल जब लाया पासुर पाजसे.
किताब पे था कि तुरत खोल कर ;
बोह सबका कि मतलब जस ली मरूफ सर
कहा ऊस्नो येह गाम जहोल से जनहें
गरलन ऊस्नाम हीरे तहें
कहा है वतने में सजदःगाह को ;
सुजह लक्ष दिखा ऊंगी ऊसकी देह राझे

ऐसी आलम अंदर हरामें वलेक ;
हमारा है सब्ज़ा अडाला ऐसे के.
ं दावल उसकी डालु सुन नाम है ;
डरेगा वो तेरा नै ये ह़ ड़ाम है ;
कहे आप देखा है उसके संगाल ;
सवा आप परीयां हैं ठेर उसके हाथ.
वकी लुकडी वकां परली पकों याम्सेगा
वकी ड़ाम लेरे डो अर लावेगा.
सुअह लुक्को पकुयां उी उसि हार पर
रकों स्नाल पकां अपना गानमार डर.
उसकी डो पकी आल है से हलतर ;
ये ह़ के हुशी ह़ डो लाया है अपने वो घर
मै हल देव डाली किल अ़े दहर वो ह़ पाप
अकोल देव परीयों से पुर वो ह़ की पा.
वलेज्या अगाह देव की पीअ़ळअ ;
वही देव जुठरेग अडा पान ळअ

रिपेकें दिवारों सुनेके कुंवार ;
ठडे जम्म जया कुल फर गार गार .
भुन कुरोम फल मे कुपा उोसमने ;
खिछाने हरी लारा पुंह उोसमने .
सेमनमें खिलेगुल पै फरलांतके .
जफोल जाडमें मों के फरलत के .
कुन्यामें लमे वे केघि कुसाम कें ;
वहां पर वोह मे वेस लीआम कें .
लीमेरिम मे पै पानी के फरलरवां ;
के वोह लम्म लमें जपीत नँत निरें
उसे दिल में दिलजर का कुछ केखिया
जणो उोसको नँल ली फो कुर निकाल
मणार उोस परीपरान फोता पिरेदा ;
लो वहां से न फरणी ठ वोह फोला लुघ
खि ठायाथो फरीह फो कै देकर कुलाह
जुलाया परीयों को कै जे घेरिस्त आह .

रोगाओं के मीरों वेसज साये जे ;
मुरसेँ के सामनीर की ने हाथे दे .
परीयां दौड करी हो के नहा दी उमा ;
लाया आसमंहां जिसअन्दर है जुला
लगीयां रकुस करने वेरी हो के हुजूर ;
दिया ने अपस को लगीयां हो सरीर
वक़ी मातरी हो को है सोते गा छे ;
वो हम्मों मुसे हु हो डो है यों ती गछे
कुछ नमरों जडी है अपली तमाम ;
लगों वहां पे डरने पे अपनी पुरी कलाम.
मुजह ने लोअ कान को लानि काज
कु वा के सर के ने तु जुअ आके ताज.
जो लाल जरी हो नयाह को छेह तसाज
क हादे वसे जुम करो अज पीताज
तरहे यारमें रखाना करो ;
मेरा दिज दिवाना मिपाना करो

यह सुन देव अपने तबीब को मंगा ;
रवाना किया रोह उस पे बिठा.
उसने सर से अपने तोडा बाल एक
कहा गर ये मुशकिल पडे जिसको संक
पडे काम मे गर कभी तुम को आय ;
तो हाजर मैं हुंगा उसी दम पै आय.
यही बाल मेरा सिरी कों आग पर ;
तो फ़िलफ़ौर हाजर हुं उस दम पर.
दिया एक उसको मंगा कर अज़सा ;
दिया सब क़ि क़ुल उसी की जला.
असा है ये क़ुदरत सुलेमान का ;
सभी देव परीयों के इमान का ;
असा मैं दिया हुं बडे प्यार से ;
तुझे अब के मिलना है दिलदार से :
किसी के अगर पे हों दरपा ज़रर ;
तो मारा कुए ह जा जिसे हों जेर जेर.

कुकमसेफ़ुदाकु वेसजफुलपेडें ;
पेक़् म्यासेकुमारे सेलुंदृलजडें .
वोक़ लेरोाक़ ढिल्में कफ़ावाक़ वाक़
कली लै पेक़ फ़ों वेणीम कुसदडीराक़
ढिया कुकमणंदकने कैं दे वांफुलाव
डरोडिन्को फ़ादरपफ़ां लेके म्याव.
ले कसम्यां म्सली लुम डिसे लुदलर ;
ब्रिरादरणंदावले ल लदीसे घर.
म्यापे दवडिन्कों कके ल गिंताज ;
लाढे पासरोक़ को लुम्कीं जेम्सताज
वोक़ लाढे को डिम्सने ढिताजलालिपी
ल व्यानी क़ढ़िक़ ललीडिन्को कफ़ी :
सेलारो लेराज्कासरंलम दे ;
रवाना ढियारोक़ कोम्संलम दे .
डिडे दवलेतप्ल कैं रोक़ कों ;
तरहेरोक़ कुडिडा डिसमिसलमाकडो

यसेलीनहीनमोरसासोंलसड ;
ऊठेगौक् डोलेडरवेसुम्मेहेलड .
अरोठे येहारमकैं पहुंचे मदिक् .
गंहावललीआमेंकैं पलडरनछ्म
लयारीसेनिकुलाकै ब्रांग्रो ल वोक्
जहोललेकेलयोडर कैं जामोल वोक्
मालाउमको देप्याकै गोक् हुरझे ;
रहाकेहता लाहोलमसलुरसे :
ठहारोंकंने दिल्में के कैं देवमछम
पलाकदेमुझे लुपुघा याडरीम .
नदेप्यायामेसा डोधि हुसरा ;
हरासा हो दिलमें अपसके ठरा .
नलाकुलरहीगोह् डोलाहोलडी ;
गिकुलजहोल जदपी वोक् जेडोलडी
यालनऔहसरजुरेट कह लुं पहाड
लजें ग्यमके डांटे मपेंवीं अंगार .

यो कि पास सर पे एक सिंग उसके जड़ा
फिरे लअ्ल व मोती कौडीस में हडा.
वले सिंग एकील ह एक्षपाड़ जून
अहन पर थी उसके लुंअ कुरी डोडीन
वो ए डोल अंहरी कुलआ याएला;
अडेहजहए खाए रोकसे मिला;
मिलाआ णां हावलसे कै पाहराक
मिला रोकसे आकर केरोसदिलमें पाक
णं हावलने रोक डो हेप्पालरेनहर;
लगा लेहनेभर कआ सर असर;
केस हआरीं कौ सुरेह हे व डो;
नहेप्पा थामें न छेसे और डो:
कैअवँल लो कम उसने कुरलेसुमन
वलेएलक कुड़ कै थो क मनकरन
दिलो हंसे छेसपर थो कै सुजलल
सली हेव उसने लिए तज सुला

यकी आलमके कुरबाने से लगाजे.
जुजंद लरअपरससे ले ऊरहुो जिंहुमे
मंणा करलआम और रीसा जेगु लाज
दिणार ओ तहापर मंणा जे किसाज
हो हारण वेठज जै हे पिकर कुआज
लणा करने मैं क्से स वालो हवाज.
के रेमाओं मलल ज जै कै लनेमन
जलला ऊं दिलसे वो ही माहमन
कहासजं हुकिकुल कै मैक ऊन्हुलें.
कहास ज कै मोमान वो लुमपर पडुं.
जिछ कुरणछे मुजसे आनु कसन;
लडपला कुं ऊसा जिनमें करसालोधीन.
लुधाछिने ऊस्ही किया कुं जरा ज;
मुजे दरदणामने दिया है अलज.
नहीं मैंन दिलहुमें हुं जे करार;
कुवारं ह दिलमें मेरे जे रीमार

गया मैं सौ छिरा रल मैं रा खी उस ली
है दुई वार ज ना मेरा तो मतली .
यह कहता या सो ला अफ़ोस लगरल
कलि है पै अरवीयां लगीं नि लकल
फ़ुदा की नमेरा कौ छै मा फ़र नहीं ;
यह अ दी न मेरे किर पैल फ़ैर नहीं .
मैं फ़ा या हुं कोमी दरा न तेरे पास .
यह मल जब है दि लका करो मेरा यास
करो तुम तवलॉ मेरे दरसंगीर ;
मुझे हसन औ तु पि ला औ मसीर
यह सुन देव बोला कि ऐ माह मन
रखो हम म फ़ाति र न बोलो सुमन
लर दुद उईं गा मैं दि ल लनसे ;
जल ला कार ला ओं गा छिमान से .
गंदाव जने दे वां लिअ ले तबहु कार ;
अमर लो गो ला लो री से लहर दयार .

सं० ७

ठहां होवे अनुकस नरीक़ मेरी ;
अता ओमे री जुम करो दिल जरी .
मले देव रीमस्त हैं ले कर सली ,
मले पुंड नेडा वे हरं लमे ली .
ले पै क़ददे मौं गरिद्द्यां रों मिना :
जुलं दीमें ऊंमें अहोल अनुमार .
ऊनो में से अंक दे वल कर पे ठा ;
मिना रे के ऊपर वो क़ मे ठ कर आडा .
नठ़ र मौंल र रे डो वो क़ अपनी किया .
सअ ठरी क डा वो क़ अस र पालिया .
वले डीन नया ऊसको कुछ अम्सलि र
सअ ठरीकर डा दिलमें ऊसके कुरार
सली देव फ़िर आये जे लर हो ;
गंदा वलसे ओ ले हैं सा पार हो .
के हर मुल्कु चुंडा क़नें आर आर ;
नया या रा कर डा कही कुछ अनुमार -

यही जाल सुन रोह को ल्नर ल्नार ;
लगा आपे रोने को हो जे कुरार :
ओस्ती व कुत से कुदेव लगा जोल ने .
अपेस के ण्ड उंर यार से पोल ने ;
कुदेपा दूर से कुमैं आ लीम का न ;
जरंगा उम रेछ या वाह जे गुमान .
ने हल सौर दि वारेस जसक वार ,
यही यें का या गा वगाव कां जे गुमार ,
ये ह सुल आल री ह ली दु वा हो सिय ,
गंदा वलसे जो ला हो जे छे जिल पार
पुछा देव ओस्ंा जुला आपे ले पास ;
कहि कुल पुछे मौ कर की कर किया स .
गंदा वल ने पुछा ओसे तज जुला ;
ओमर तेरी कया है तु मुझ को जला .
कहा देव है वे ह गंदावस के मैं ;
कि सन रह सो गुजरे है मुझ को यहीं .

किया सैर मैंने कै कर ठारडो ;
सुने मां के देखा मैं सब सारडो .
न पुछो तुझे मैं कहीं सब जथां ;
जहां लगो लें तुझ पर हैं नकर जथा .
बांधा वलन ने पुछा मैं कहां के इज जर ;
कहा उसने मैं सामे बालागु हर :
कि वा के हैं कु उसकु मैं सफ वालहा ;
तमाशा कु देखा मैं और कालडा .
वले डीन सुना कुन मैं उसका नाम ;
देखा मैं लारे से उसे कों तमाम .
वले सात रावा या मैं कहने डोवैर ;
जहां जहां कहे देखा मैं मैसा नगौर :
सब जहां उसका नाचा सब कुछ वहां .
देखा हूर से कु मैं वो क लगा कहे :
यही बात सुन वो हा उठा बोलडुरे .
कि तुझ ऐसे फल ना उसीं न जेपर .

त. तजु रसे मुझ डा पहों या दीव हां;
के लकड़ि कु है वो ह डोरखी डामडां.
ं दाव लले डोरजुं के औरसा के हां ;
वहां रोग कडा के दिल्ली मुहआ .
लेल ओ. रिंसा खिरसे डोरख ठार पर
के ताको वेरा कलडा डोरजुं ओसर
तअहि कुथी. डेरी मुलेनालडी ;
परी यां औोर देओं के सुल लालडी .
नकोनउ. हरख्या की सेंहकुरडोरसे
ख्यारि कु ले डोरजु सों कहै डरडोरसे .
ं दाव जदिया आलसर से निकाल
कहा कुमलो नेमा पड़े डानहाल ;
रखो आणपर येकलो में डोरख घडी ;
ं ददआ डुंगा तुम्हारीये ढी .
मंगा लेअसरो कडोरवाला किया ;
कहि देव हमरा ह डोरजुं दिया .

डे ड लो के मी कि ड़ो दुमे ये र यो ;

ये कों ये आ डे सर कृ द डो या लों म डों

कमारी लो कद कैं य कों से तला म :

कमें म ल दा मे पे सस लु मों जुरा में
लान.

किमें स जो मे पस ल रा क न रा क ने

में या रे के मे क ला ल डी स मा क ने :

ड का अ अ द र आों डों यो क रो कू ठ यं

कि या कु अ द ल ने डा यो क बेणु मां :

कु ला मोरे भगा को लिया का पे में ;

कैरी पामे पक नाम लाला ट में :

द र द ले ठ . क ठ र ल सु ले मा ल ये र :

म ला स ज रा क र ठो रा क न रा क रे

रा क र के ल न ठ दी कु पा कां या करे रा क

दो मा कें व कां मे कु पा नी का मा क .

कि मा. हिर सु नो डा स परी ल द का :

ल यां हिर सुनो डा स के ले हा द का

लुधाउ जे रोकसे वोक् आनुकसन
गछिकाधि मल्ली वोक्म्पे ने वलन.
किया दैदमां आपेने लुंद को ;
जे ही ल्ज ढदणाणी से थी काये थो.
खिया सलसे डीसलौ के लं ल्जु रकर
तम्छिन वरीयां डो किया डीसडीवर
डीसी कालमें मोक् डीज सयाद थी.
अणौ रमोक् कयाली मो अरआदथी.
लउपली थी छिस आउ वोक्मनमोकन
कुवा लंगाह माना या डीसपेर कठन.
यही ल्ज कर करलीथी दिलमें मुहाम ;
के कै मेरे जके रामरों क्नेकनाम :
मि जानुक डोउ व्ही मो पेर वरदिणाय
मे मन्नारणमौर मै किरदणार :
मि लायानु पुसरे ल्ज वनयम्कु जडो
कियारंछ सेमाल दमपुजडो

निआया लुजे जी डोमढ नुसेहीर.
मसालिजदिया ऊंस्हो ऊड जाली
जदिम्अजासे सये हेज किसा पारलु.
निआया कै आडो जु आसासे लु.
जकें नजी सरपरे मनमजीया.
लीमस का जम कआजीकम सुरि या
निआनुऊ डो अकेराम से डर डरम;
कमा राहेढ नसे स हारजिरारम.
राओ रोढ ऊम्डायकी डामपा;
सदाहि नढ जां परवोकृ अेकराभेप
सुनो आल अकेराम डी डा. नपर;
केप कों पाकै वो कृरा कृढ जप्प कपर
परी पां डहि सोंभआ यां कढ़रा कढर;
पानी सरहे ढनी पां किआरांढिलार
पुढाअे डपेरी डो वा कृअे करामरा कृ
पानी तरजे ढले डकांडो येक़्माढ

जघां उसको सुनीयोंने डेकेलाडुमें .
डुशे उसन फडी डुलमेर वाकिरे लुम्हें .
पशी फसन जानुडा जोलुं किसा ;
जघां उसको जैसा सुना डीं किसा .
जणी कै उसे जु पे छैनसा नडी ;
डिकै याद ळसुडो उसी हवा नडी .
लेनलीयां फमें माजनफला ने उसे
घुवें कैं फमें पाडु डरले उसे .
सुनारीफ ने जैसी ने उसें पमजर .
डुला फसुलेमां किसरपर वाफ धर .
एजियाफा पेला ठी डेहरा पढेन डर ;
मिलासैर डरला वाफमें न्हरीफर
देमारीफर सारा म डांनो म ठांन
डिलापा डीं जानू फसन डा निशान
डियादोर दोराज नपाया वडां ;
नपाया मशी ठापेला लशी डडां .

त कपुर हुवा दिलमें अपने कुशोक़
के हो दीन तजहु करता रे क तानिगाह
वो क़रीर मोल सियम कै गी ठ कुरपे जप
परीयों डा देखा वहां कै गौणा जडा
वो क़ नल दिहुआ था कै हज धीसके दोड़
अडी हैं कलनां परी काथे लेड :
हिमारल जुलं दकै जको लदिल कुशा
मुरसैं तअत कैं वहां पर थिछा.
जै ठाल तअस्पेर वो क़ शाक़ परी ;
अडीयां किरपरीयां कैं वहां दूसरी.
देखा थार वो क़ तजहुवा दिलमें दंण
हुवा कुछ न जे कराम दकशालने दंण
किया कुछ नरीक़ डा वाक़ दिलमें छिपू
किसी ने न देखा कै शौक़ का हमाल.
नहिदे रू जअफ़ दअतगी ठाशेक़ वह़ी ;
छोडा सफ़ुआ था अंतहर लवकी

चला क़स्द करके मैं क़त्ल का वो क़त्लगाह
गया गो कि ली पीछे मुड़ कर निगाह
देखा दर पे दरबान ऐसे आमदज़ ;
हुवा देख जे क़ाम को कैसा हज :
वहां से कुमक के नये लो गुस्तान में
हुवा देख हंग को के गार दान में ;
गुरज़ें का पालने उस ल छिछा.
परी से कुजै ही थी वहां भूरी लिड़ा.
सिर कल उसकी आनु क़ज़न के मिराज
ख़ुदा ने उसे पा दिया कुछ ह्याज.
मेरी यां मिल अपडियां के फ़ल यां फ़लर
अनी आरगाह भूज भुरी नौ अकार
वकी गाह माँ कुर जैंगा हल के पास ;
किया अपने मनमें के गाह ने के पास
कहा अपनी औरत को समझा के कर
उसी को क फ़ोल के पुसनजे कर.

ऐसा तु हसन ठ्या हुवा है तुझे :
यहम हुया येह दिलमें पैदा है तुझे .
अंधा है तेग ळ वछे नसान से ;
अगाली तु करती का पैं लन लसे .
किया आपे हैसवा तु औरआपे को ;
किया तुने अद आपे और आपे को .
ऐलि ललल मुझे ही है मालम अंदर
किया मुझ को अहलाम दर अहर अर
अडारंळ्ह मुझ को हुवा है अली
ऐलि न ललल हम को थी ऐसी कली
तु रलन छेसी आल को छोड दे ;
ली मुं हमपे ना छेस आल से मोड दे .
येह सुन आल आनु हसन की लेम
डी आल ठ लही से दा छे जुला .
कही ल कु समका ओ ओगी डी से ;
ठ आली कहो आप की तुम डी से .

ये जो दादी अम्मा ने यहां से डेरे में,
ये आसाये अके नाम कमराह के मंग,
गई दादी आनु कसन के पास ;
ये आसाये अके नाम रखे दिलों में अपने
परीयां थीं मवकस वहां पर हलर ;
कुरेल दर पे उसके थे कुछे उसस वार.
किसे लके दादी ने दरस जो था ;
गई पास आनु कसन माह लिकुं.
कुछी ल कहा ले उसे राह पे ;
नसी हल कही के उसे राह कुं.
वो बैठी तखत पर थी उस लम्बे पर
हवा की रखणे थे उसी लगा पर.
उपर तख्त मसनद लिये जीम जरी
हवा की रसे कुछे लाल के औरलीं.
बैठी उसे आनु कसन राह पे ;
परी यों के सितारों में जुमुरस्तदी.

ज नाओसे पे हं ज्ञो रास जसज ह लि ला;
किया लौंड़ पो दरस औार, पाछा ला.
किया लौ कोा हं ज्ञो, नाक़ ऊसे ;
ली कुछ दरद दिलों कुं यान छें किसे
ऊसी हालमें पयान अेक़ राम डा.
रमा पाप ले अपनी छाली लछा.
बायाीाक़ दाछें कु कमराह् व़ कों ;
मेक़ लमें वोह़ दापन ल कुवा जेणुमां
लेपल पर वोह़ जैा हीपी भानुक सूनू
न डाकेह ज्ञोंमें ऊसका अदल.
ऊसे देपनम्रा किया आक़ डा ;
लिया नाम ऊस वहुत असा क़ डा
ड क़ा दाछे ने अलु कुरा यार को ;
कडि. ड़ल डकी सप वोह़ लापार को
ह़ भानी डकी ऊसकुमां आपे डी ;
नसी कल डरी ऊसको जेकरााम डी.

के जिसने जगाया है अपना तुमन
के लगा ला लेगा हाल है मुझ उठन.
यही आलमआलम में मशहूर है ;
वो हाथी धिनंसान से दूर है .
दिया जिसको आनुने ऐसा हवाज
न है जिसका ऐसा मुझे तुम ला ज.
तुम्हारे ले दिल में अरसी आके आल
वो हार धिसां जौर न धे है लत
सुनो आलमेरी ले तुमसे कहूं ;
समझ गोरसे तुम लमें तुम उहुं .
वो हारपरीयों में ठहे डान है ;
अयल जे वो धिमें ही जीसे है .
हकिकत मैं अपनी कहुं आपसे ;
निली छोड जिसको मैं आआपसे .
कुछ जे वो कुंमैं अवल कुहुं ;
गारमसें मैं अपने कुछीअजरहुं .

किया उसने मुझ पर मैं रेहम व करम;
रखा था मुझे वो सदा मोहतरम.
दिया हुक्म उसको सदा नाम पर;
करें जल न हुरयां में गांमो सफर;
ये ह दिलबर मेरा या अकील आवे;
उसे अंगुल का मैं दौर कद है.
दिया गी न करणी कमें उस पर हमें.
रहूँ याद में उसके अन्जाम से.
कहे लाठें में वक्त थि दाम उसको यूं,
सब अहवाल अपना वहां दख़ीले तूं,
अगर आस करे ले उसकी लगा रे पर.
मुला काल को णी वहां पर नगर.
अगर यार को मिलन तु है जाव रे;
वहां पर को अवाना तु मैं जान रे.
अगर तुम ले अब वो उसी ठार पर;
कि हुंणी कि दामें करे णी पेक सर.

उसी की है कि मनो ठ. मुझको पूरी.
सो कहल उसी की आदिजों असी.
ये कहुन घाकि लरीमें ओ लुसंगात;
लुना कहके करंली नाहा नोंकी आल.
जि करसा कहयकां कीन कोकि यकांपेसुय
सरी जनऔर. देव कोकि साक्र पोय
सुना नकि किसी नं किसी जन का नाम
लकल देव रे पां नमें कयणी मदाम.
नकुदरत कैकि नसान. कोंआ वेयकां
स आरयकां कीयेकुंमे उसी. को कुकां
यकसुन आलमीं कली कुवादिजोंलण
कियालनन कुरआं उने कोकेदण.
नसी कल की दाकि नमेंन्दा उसे;
वसेंकीन कुवा नकि असर कुछ उसे
कोनासार उठकुरवकां सेसली;
किसे अल्ह दरसज परीनेवली.
नं॰ ८

डीठा कै मजलं जाइ जकै रामरीगाह
परीसेउ फ़ा ठल्हके मैनेउ प्याह.
उमै ललनमन मै चहे घारनन ;
मैनहरू जदिल घारणम प्यारमन
मुनीठ जपे हमआयाठ जानुकसन.
जणी डीखेउ दिलमें जफ़ोललजनजन
न है पी किसी डो डीसी लजमें डीने ;
लहयुर उठे आपे चीहमनमने :
डा ही जोलमें सामे पर पर दिखार
पेहमआयाठ किसडाके सिरीं जहार
सेहजपीरी ठगने मुझे है लला ;
मुनी उयामें आयाठ डो जरमला .
नहीं डोठे मुडा जिसव ले किनयहां
पेहआयाठ आला कै मुझे डो उहां
दियाउसम हउडी है जानुकसन ;
मयां होउ तेरामें हैफूं मेमन :

देखूं मां जित्तर उरमें तुझको हुजूर
जल्वह ले दिलसे हो दूर हो सुरूर.
पड़ी जाल सुनकर वो हज के रामनाह
डोलारा कै सरसे वो हट जदी कुला :
हज हैड हो तो मिलाअमे गले ;
कहीं जात है सी न यारां मिले :
देखा तज जने जा तुहमन आंपिलर
जुरी डेरको हासिल हुवे ज्या वहदत
सुकरतज जन लाअजे रक्को पेहदो
केआपेसमें आपी मीले कैं वे हो :
लगी डुकने मैं साकै मैं डारसा ह ;
करमसे तुहमको दियासर हेगा ह.
मिला आद गुनेमेरे जांण का
तुमरहम दियाआद दिलहाण का ;
लेहीमे हरजानीडी कुछ कदन हे
करम की तेरे है कमी कुछ नहीं.

यहां पर करम के तेरा है बेशुमार ;
तु बेरा कुआ जमड़ा पार वरदिणार .
नथा है तु आलम को अं कुपेलमने ;
के मुशाकिल कुशास ज्हा तुराडी लमने
ऊमीदों तु अर लावे कर्यार सु ;
सि रेतडया डरी तेरी सत्तार तु .
तेरी सिरेत अंदर के डासर ठआं
सना तेरी मुं कसे को सकुती डकां .
मेरा ळव कु हरत पै कुर आन के ;
तुसा के जलड़ा और मे कर जान के .
कुभे गाह दोनों दिलोजान से ;
वाह भिलडुर कु भै है अडेशान से :
हरा हाल फिरमाह अके रामणोर
भिया लके डया अपनी आलिर में और
असा मे सु लेमान जे हापे में ;
कवां डों पे चारे मुले आलमें .

वो कहाथा हूं लड़कोंपे कर मुल्कमे.
गले जगके आपसमें वे मिल गये.
लगी कहने जानु कुस न जाहूं जांन
कहि दे तू कहां तुम मुझे छोस हमा.
आये क्युं तो यहां पर कहो कैसे तोर
नहीं लगे ऐसी कोठी पावे और;
नछिनसा सुनाके को छे छिकानाम;
कहनराह जांडी यहांडी तमाम.
येह सुनकर दिया उस्सो रोंहने हवाब
किसा सुन मुझे रिरँज तु मुझसे किताब
अयां वार बोलूं मैं अह छे जली हा.
लेणु हरी है मुझ पेर तु सुनमा हरा.
मैं फेहूंपा जडे ले रसे लेरे पास;
मुरी मेरे दिल्ही मुधाले येह आस.
हाने हाथ पे डाली है गारहन लिनार;
हमापल किया रो हने उसको ली हीर.

जलं ऊठके जे के रामरोहूनामदार

असा ठोके ओले हैं येस जके वाड .

के परीयां थीं के ही ऊसी लगे पर ;

लड़ पुर हुयां कै ऊसे देख कर .

परीयां देखने को सो अंदर गयां ;

हुजी कैरत अंदर वे परीयां रहियां .

लअ़ लुज को परीयां देखीं हरहतन

को पुरी काल जैसी है आनुकसन

ऊन्हों में से गवे अके दावे के पास ;

नही वल्ह डोडी कुछे जे क वास :

कहा लके दावेडो कै पूं ऊन्हीं ;

लमा गोआ अल मेज देओ पेल लुन्हीं

हजरां ले आनुकसन के सली ;

पेड़ लूर अेकु आर कैं वे अली ;

को पूरी काल जैसी है वोह रोह परी .

वोह आलें है डरली सो अज़ दहि लअरी .

यले ठो थै न लाद्र थेसी लमेपर ·
लम्र लुजमें हमसें ज हैं थैसजालपु
ललाकें ड ह ल्हीसें देपो लुम्हीं ;
डरो हन्डो म्माणा हम्ज जपेज लुम्हीं ·
पेह सुन देडी दा थै ह लद म्मा नडर ;
जणी देप नेपो लररे लरर नहर ·
पेड देपे हं लर जेडियां लृदा ;
डोप्पुसे हाल जै ही कें वो हमाहलिस
नहरडो थै पेडा न थैंगी सी कें व हां ·
लह पुरासे जोली डेमे ल नमां ·
लुडिसमें पेह जालें कें डर लीमलपी
लुपेह माँहरा लेमुजे डह सली ·
ड हाल ज पु जालुन डयाडकुं लुजे ;
मारम मज कें जाली में दा थै मुजे ·
लुसुनमेरे दा थै डरें ले सेपुपेन ;
डेलमे सं गा नेरा जणा कें पे हमन ·

वोह आया कि उस जा के ऊपर पड़ा ;
जो ली उसको मैं देखता हूँ कि कहां .
कहीं तु कसम आ सुलेमान की ;
परी देव उसकां के सुलतान की .
दिखाऊं वोह तुझको उसी जा पे पर
कि ता तेरे दिलका परे हो फिकर ;
कहा था उसे गुल आल आ नुकसान ;
मुझे तज पडें को अजदहर जतों जन
अगर आवे उसजा वोह कैगुजर पडें
कामलनें उसकी हाथी कनहीं ..
जलद हो कि मैं तेरे नां आप से ;
कहें कारसाज उसें आप से .
यह कह कर कसम आदे उसमान की ;
दिखी जां से हजरत सुलेमान की .
कि ठा जो जोरी ह को तुम्हीं उसजपडी
तु कर आल दे उसको जन को जडी

उकी सुन मे दिल्दार ग़म प्यार मन
जुल केर अयां को अलीम न मुकन
यकी सुन्के आया है जकेस मरीज़
उतारा के हल्दी वो कसरसे कुलाह
अयां को के बैठा उसी तख़्त पर ;
देखा हज्के दाढ़े ने रोक़ लर नहर .
नीरी प्या केसे कर हमीं पर फ़ैल .
कवास कोरी उस्का फ़ैल तार का .
खड़ी यां उठे परी यां देख जफ़ाम के
छुटी पिर परी प्यास और आम को ;
हले जा कोनी थीं दोड ला यां रीताज
हलद लर उसी पर कै खिड काणु लाज
चले उस्के खिनी वो पर रख दे लर
उसे हल्द खिठ लाम्ें कुरी या रकर
चले जम़ दमुँदल पे जर दार को ;
लगी कहने आ नुक्स न जो सुनो

तुम्हि को जगा है उसीसे जल ;
नहीं कोई होगा न ऐसा हुवा .
अन्दर देव परीयां न छनों जरीर ;
नहीं मैं ने देखा ऐसा कोई दिगार .
उठी जो लहर है के ऐसे कोह परी ;
जली जाके देखी मैं तुझ दिलजरी .
उही हुसन वाला तु है दाहे को युं ;.
तु सुन ले सुपन तुझ को मैं अजहुं
छले देव छिलअ़े के सरदार हैं ;
वही सज हु कम है के अरदार हैं .
तुल आपने रे वजों के ऊपर ;
जो करते थे तअ़जना हनी मुझ ऊपर .
के तु आदमी पर गिरे लार है ;
सुना न है के दिन सां वड़ा दार है .
कहुं क्या मैं उसकी सो क्या बात है ;
दिया लां पे अपने देखो घात है :

ये हम आदम के कै साथ यहां आया है ;
नताकुल किसे ले करे लुरस लू .
ये क छिलसाल फिर के में है पा दरीगाह
लपेटों उसका लीगा कर है सौ लोलिपाह
सली छोड आया मेरे पास यार ;
छिसी डोके है वहां हार यार .
लजरे के जे आया पासु जे मालका ;
परी यां और दे वों के सुलतान का .
के उस पास मवलुद छिसं लमसे पर
रे कर को देगा तुम्हें छिस लमसे पर .
तुझी दलमें दी छिसो मां जापे पास
यही आलमे कुपामे कर उसको रास .
आकुसन वल उसको समझा मे कर
कमो काम मेरे कालतुम फिकर :
ये जी पुरी को दाछे न क लीगाह के ;
नाछि करे [illegible] दरी [illegible] का ल के .

नहि लडके आनुके ओ ही कै पास ;
उन्ही सब उन्हांनी अगाअर वसास.
वो कु ऊँ पलसे उनको सो आगाहउस
मशालिब उन्ही री कु डेस मजा अहर
उन्ही उसको आनुफस नहीं है मा :
दिवानी कुछे हे वफां नुल्ली न :
छिसी आत उनुझ डोन छीं अेअली प्र
दिवानथे हे नुया के है को रि यार :
उअआवे छिसी न अेसपेमान नु
उन्हां अेसी ला डुल है छि नसानडो .
लगोसान कीं मुझ डोछि सआतछा ;
है गायद अअसर नुक सानिपाल डा .
पे कु सुन आत घाछे उन्ही है रिलाअ
के आनुफस लडके है मासे न वाअ .
केसल हे अआवें नुझे ली पकीं ;
डेमा कुदछि सें नहीं है के कीं .

पसी घाटी से भी को आनुकसन ;
से आ टी वो ह हमरा ह है गुलजदन
तवा ले किया भी को आनुकसन ;
वै है ल लफ्ज़ पर हैं तीनों येहलन .
पडा न थें नहर को थे ऐसा वहां ;
पुछी बीरहको घाटी वही है उहां .
उहां है वो ह थे न्सां अलथी मुझसे जु
मुहसीन हकि. ह तमल्ली मुझसे बोल
उही है वो ह घाटी को पुरी ह परी ;
अला मुझको है वो ह उहां आरतरी .
उमामात लडी है हरआलसे ;
ले पिन्हा रहे है किसी घालरसे .
उही फिर है घाटी परीयों को लीयुं ;
मे आनुहसन में तुझे युं उहुं :
तु उर अपने सुल्तां को ह ल्हो आयां
के ताभांउी तेरी हो ख्यालिस निशान .

कहा फिर के आनुहसन दाथे को ;
के सब आल का कोल ले ऊसें नु .
कहा दाथे ने कोल मैं ने लिया ;
लेरबां की आलिम निगां न मैं किया
कहीं त अपरीरा ह अकें राम को ;
कहीं फिर ऊने ऊस्मुलअन्दाम को .
करो ह ल्ह ल्के र अपस ठोअ यां ;
के ला को वे आदर की आलिम निगान
ये ह अ यां ह सुन करके अकें राम गोर
कुलाह सुले मां ऊ लाया अल्ले र :
अयां हो के जैठा कै ह ल्ही कुल्हर :
गीरी रोह परी देख ऊस्हा ह कुर :
अहा त हेर अम्र रह वा ह कुरी यार हो
कहीं आप नी बे टी को नायार के .
कै आनु हसन कह अल्लिअ लेरे ;
आमें कोरा दे के अल्ल ने मेरे :

थसेरि सुहिणीअ नुं कीनेल कोली अयां ;
जयां विसुहिणीअ खी कांस कली कफां.
जणी पुछ नेरो कसेमा नेडी जाल ;
डिसी तोर पहुं चा लु डिसे कसंभाल
डी छानीाक अके गान पुं मोल कर ;
ले आया नु हा मुक डो खिस अमेपर
कलि कुलल गुहरी थीअ कछि जलहा
कहा मोल आणो डीसे माहरा :
परी नेलल तुरे किया जे सुमार ;
ऊपर तीाक अके राम के नाम धार :
परी नेक हा शिरके जेटी के लछिं ;
लरी कार गाही की करती कुं में.
थजी आलु हछी सेअपे नेम काम
करो लके वाली ह ठो अपे लेम जामं
ना हि हो नो मिल कर के अन्दर महल
कहीं राह सजे के वो कड़ों के कमगल

यह ख्याल सुन शाह कैसा हुवा .
तड़ पुर से उसने ली को मुंह में लिया.
कहा फिर वोह औरत को अपनी कै पूं
पड़ी अहवाल मुरादी जो तुझे मैं कहुं .
दिया हसन जानु के मांने ह था अ;
दिया शाह तुही से अैसा अजला अ.
सी ला जी से उसका कहो तुम फिर कर
तु उर दिल्से अपने पर संज लकर.
वगर नहीं तो मुरादी ज अैसी हाल है
आखिरस पे तेरे अडी चाल है .
दिगर ख्याल कही ली हुं सुन कान धर
लगा लव खिस्सा उसी के ऊपर :
कही अपनी औरत को उसने येह ख्याल
करी अैहु मन सुवाल तेरे संभाल .
वले उसको मैं ने किया अजपिसर ;
करें कारसाज येह हम अैक दिगर .

जे दो कै मेरा तेरी जेरी लु कर ;
करें खिलु शादी कम्कें जेमलर .
सुनी भाळे जानु कसनडी पेक् आत
पुरी सें खिली दिलमें कै नेकलत .
उसी वक़्त सरो क़दा वो क़सरपूमकर
लियाकर उसी को वो क़् अपना पिसर
पिछे शाक़ह निर्यां मकेलसे निकज
पेला जाकर आया वो क़् शादी जदल
मिलेआके घेरकान सजशाक को ;
मुजारक कहा सजने उस माक़् को
पेरी यों सी कनी लंअहजरेप कीं ;
सलीआके खिदमतमें हाहरघडी .
हयाकीर हरीनेसे खिनणार कर ;
सदापासे अपने पेहरवार कर .
गुलामां कहे पूजसाके जहमाल ;
उडावें सलीशाक़् पेरवे रेमाल .

नं. ५

पैदा अक़्दसों क़ुडा परी कैं संभाल ।
आंने सारी मिलकुलमें रौशन जमाल,
डीक्के ने कुदरत में हुवा दीसे,
सु फ़ाजान सलों डीक्के फ़ुव्वा दिसे.
सु आर कुसलामत कै फ़रसु पुडार ;
अडा फ़ाह हणनें कुवा सारी डार :
ऐसा फ़क़ जे मारी रस मुख्तर मे फ़ुल.
कुमे रोद पुरमस लों के ले दिल :
जडी छिरके डीरी मगान दर मिथाल.
कुवारी कु डामिल लडे कुधा ज [illegible]
सुना मौर रायिसे कुमे कु जात ;
कुया डीस नवाफ़ी में मेकु देव लत .
के ह लल लया नाम डीस देवडा ;
डीसे रा फ़र कुल लल डाया ह या.
ज फ़ोल या वो फ़ सुरे सहलो न मेके फ़ [illegible]
प फ़ार जप या लरी डर ली देवां ल मान

न था कोई मुडा जिन उसी के यहां
था सरले रह हटन वोह आरे ल हमां
बारा रल में समझ से वोह मरा हुआ था ;
जहां तल लजल गिरफ़्तार हमहुर था .
सुनी फ़र अर शाही जी अफ़राम की ;
सुलह को अपस मुश्यपै कुरा नाम की .
लगा कहने सब दमानि शीनों के लें
जल रे मुसाफ़ि जअमिरों के लें .
कुआ सज हां में पेह मेरा ले नाम
हुवा मैं हुई स वां अन्दर हम सिम :
हुओ मेरी निस अल किया को न है ;
कहीं हे सो आला गिसे ले न है :
गिने आल किथी मेरे से जहल ;
वोह आनु हसन की मेरे से अवल
ज़ अर हुई जनयों को के सिस तौर है ;
के लड ने को यहां आला वोह लंगुर है .

फ़िकरमंद हो उसका दिल अंदर ;
के तदबीर क्या बेख़ुदी को बेशुमार ;
करेगा मेरा सजनु जु के पास मेआज ;
न तनों को देगा मेरा क्या अफ़वाज.
फ़िकरमंद हो कर के रोक़ ह हाल :
जेठ मास से जै ठार का उस मकान.
के मेरा क़ सुख को उठ के वो ने के नाम
के आला पारो क़ उ वो क़ करने सलाम
कै असे करो ठ जैठा वो क़ लगे रो क़े पास
दे आरो क़ नठामणी नके कै अे क़ वास
पुछारो क़ ने क्या कै फ़िकर ने के लल ;
न तम् लन डी और नहीं करले आल
तुम्हें क्या फ़िकर है सो लाकिर करो ;
मुझे अपने लहों से माफ़ कर करो :
सुभ नमुं क़ से अपने न लके़ रडियप
न कुछ हाल अपने से माफ़ कर दिया.

दे आगी क़ ज़ो ऐ ठा कै ग़म ना डे हो ;
ये जाती क़ ज केरा मे ऐ आ दे हो :
आ पारी क़ असक़म को अपने न केल
ऊ क़ा क़स न आनु डो खै ल लो दिल .
मुझे अजनर क़ ना कै वैस लमे पर ;
मैं ल पिंगा अपने वल न यादिगार .
सुनी बात आनु क़स नरी क़ सें ;
पडी ल दिडरके वोडी या क़ नें .
लणीरी क़ से ड क़ ने ड को ड या कै बात
सुना ओ मुरे पिस ल मुझे ने ड ल त :
सजअ ड्याले तंग दिल कुमेआलूं
ड हो बात सारी मुझे ऐ व क़म :
उक़ा री क़ ने मैं आ ठ गया री क़ डे पास
सुपन न कु छ न बोले वो क़ पै ऐ क़ वास
क़ मे रा ल वा ले से आ ले पै पेरा ;
अ ली नाम कुमे वे मिला है क़ मे रा .

न लम्स ज़मज़मी और न दी दिलबरी ;
न कुछ मुझ से बोला है वोह सरसरी ।
मेरा हिस लिये दिल कुवा है उदास
मैं जिऊं चलन को येह है दिल की आस ;
यही बात सुन कर वोह व्यानुक़सन ;
कही तख़्लन कर पे घर को सुमन :
दिया सौर तख़्ती से जब आप पर ;
दिया कपुरे ज़ दहर सुखी हो पंदर :
मेरे वास्ते वोह है सो दिल उठा ;
दिया मुझ पे आकर के वोह जं दिया
मुसिबत उठा कर के पहुंचा यहां ;
वोह आया है देखो कहां से कहां .
मेरा जबलन और हिमान है ;
दिया उसने मेरा ली जबलन है .
कहा कुत मेरी सब है जल कर तुम्हें ;
सब उसकी आतिश को न घें तुम्हें .

यही हाल सुन्दर वोह आमोरी हो ;
कहा आपे अन्दर ये आमोरी हो ·
कहा नहीं होवे हाल को जो लिया ·
छली हाल सुनले कुवा रात भिन्दा ·
ये भी आपेण भणी न ह जरोह परी ;
लणी ओसको देने वहां हिसजरी ·
कहा आपने सुनके आनुफसन ;
लिसे तेरे मुझ पर पड़ा दुख कठन :
वोह जद अपने हल लल लेगा है ;
गुस्सा हो के मुझ पर आता आ है ·
न लनुं तो कैसी करेगा दलल ;
करेगा वोह जरसी मुलकु पाओमाल
यही हाल सुनकर वोह आनुफसन ·
यसी फिर के रोह को कही वोह सुखन
कही माल यासज वो अह होजालिया
दिया ओसको मोहने है असी लिया ·

ऐसी वासलि आपे लेगा मगार ;
जडेणमें ऐठा वोह कै सर असर
उठारोग़ह जकेराम पेह सुबके आल
उक़ागीोह पगी कों डे कंगुं गान डी आत
अजसणम पेह सरपेग लुडपुं कै लिया
रिडमं ह्वअपम्हो कैणमणीं ड़िया.
पेह डया डाम दिलमें डरोलुम पड़ीं ;
डरीं पाअमाल डीसरोह्र डुल जलमैं
वोह वाड़िरें मेरे ह़ो वे लगी डर डो आउ
वणारने तो जंन्हडरम्पूं लाखिलाह.
रम्यो हमम्प्यालिर डरोमत रिडर
संरलम खेस्ता डरीं सर असर ;
डुडम लुम डरोअज है गा रोाडे लैं ;
लेले पैरोप्याना अच्छानों डे लैं :
डरोलू डे डेरे जडी रोर में ;
रहो लुम ऐसी आल डे णोरमें :

यही आलमसुनशाहजी नों कहा ;
अपनको अपस नमें रहेना लाला.
कहा ऐ ठेमुजको नहीं ये हक कबूल ;
मदद है तुम्हारी खुदा लायजूल .
कहा हेर जअसदअल है जहेगामशाह
मदद करुमेनांगा तुम्हीं प्यामप्याह
जहा लरो हसे पैशा आनाये ला ;
शाहनशाहने आकरर वानाकिया.
किया आके ले देरे जहार ;
जणदेम्मै दान वहां देरे उत्तार .
वहीं नेकुसाअलमें देरे पडे ;
किम्ने लकेरारीनें ने लंजू अडे :
कुपमरोह जकेगाम जेशाह को ;
कुवादेरे दाखिल जडे दाजसूं .
कुवाशेरसारे है संसार पर ;
योकहणवणाकुवाके जुपरकाडीयां

उसी वक़्त पर शाह अफ़रामन और
मलेका पेला साथ ले शाह मौर :
लश्करा अपना लेके उतरे वहां ;
उतर कर असप से हुवा चोहरवा :
वहां लेके उसने गुसल कै किया ;
अलं याद हक़ की वहीं वो किया ·
छिपे आलदवां ने वो शाह डों ;
लिये आल वो उन अफ़्रो पाक सूं
पढ़ाशी हरोल का वहां पर सुनो ;
हरीह लेह कहत सुलेमान को ·
धरे आपा पर बे मो कर मे हार ;
उडे आसे हवां हल गं हलर :
किसे आके अफ़रामन को है सलाम ;
कहा है वो हक़ अफ़रामन अले कु सलाम
कहा हवने कपुं किसे पाद तुम ;
अजर सुके तुम पासले आसे हम :

कहा तो हमने हम पर वहल के ठठन ;
मदद तुम हमारी करो ऐ सुजन .
पडी आ के मुझ पर अहो त मुश्किल आन
ठके देव रो यां को सब ओल आन :
कके हैं वे देवां तज राह को ;
गा अ दिल के हैं उसी माह को .
के ये ह काम कया है करो मत दिकर ;
किसी काम में होगा तुम्हारी बनकर
करेंगे यही काम हम पल में ने ;
पकड ला के देलें उसे तुझ के ने :
ऐ अर उसको होठी न किस आल की
हमारी तुम्हारी मुला कात की .
अगर हो ये जर उसको किस आत की
मुशाम द करे आ के तुझ नत की :
सुना गा ह कुल नल त ओ आ व हां ;
के आ ता गाह परी यां है लड ने यहां

फ़जर सुन कंसा घड़ घड़ा कर पिलीध
किया तब उनें ऐसे कुछ डर कै रो दिद
वोह उन्हीं से बोला कै लरी कर डोयूं
स ज्हरी कर विराम करो ये झें लूं .
येह केह कर किया कुपठ न्हीं संगात
कहरी हपरी डो कोछि आडे बात ;
के ढुलल़ल आता है तेरे ऊपेर ;
वोह जाता है जरी कर जडालु ऊपेर
फ़जर दार फो लुम फ़जर दार फो .
जणछि के साभां से तैयार फो :
सुनी बात जके राम ने कै सली ;
फ़जर दयसर दार से येह कही .
के आता है जद जफ़र मुर लदय फां
उरो दिडरा लुम ली ऊी ठछिस ठमां .
कंसा देवरी यान सुन्दर येह बात ;
कहा कुछ दिंडर डरनतु नेउल़त .

कि उसे ओर से बन्द कर हार हार ;
सरंजाम हंगामे के कर कर तयार .
पे अरदल किया रीआह अके रामगोर
किया लअगां हाथ लडके लश्कर ने लेर
हाका ने आलुगां दह कुछी मुलहो हपी
मुहैद देव की ली ऊसी सापे थी :
तरके पेपडो थी हौल मुरजा अडी ;
जंपे मोर पे हैं व हां फरलत की .
रेखा का दमामाओं हा हांक हर ;
जमैं हौल लेकुर पडा ऊस ऊपर ;
है जे मोर पे फार तारे लेर के ;
लगे हैं कि जमे डो थे देव होर के .
लगी हंग वहां पर है दीदल संभाल
जपाले किसी ने हमारी की चाल .
छुटे तोपें आने बहोत बेशुमार ;
उड़ा गुल जो पर हा ऊधर मार मार .

दिखावर ले जहाँ राम के हैं धुरे .
दिरंगडीं ले लजवारें ले डरहुरे :
दियानुलुद ल्लल डा पाश्नेमाल ;
दियापडडी मडा है है दी जहाल .
यौं रोगाले जहाँ राम के रीर दिल ;
यो हद लल्लडो है दियानुहमहल
हल्का श्मा समानी है हड़ने दिया .
वही रोह डो निसरत है गे श्री दियप
दिया है दश्मा नमें द ल्लल डो ;
ह जासल व श्मण जा लहरवो दल्ल डो
जहे शा दीयाने सुरी के तमाम :
सुरीयों के नडारे दिश्ने धुम धाम :
लियानुलु कुल्लत हादिनडर ;
अराजी डीली पर पडी सर जसर :
हहा डर हैं जै हा वोह जहाँ राम राह
दियारीह परीयां डा वो रश्म दिल्ने साह .

पुरीसाथ रोह मै ठकर अे कम कां ;
कुअे सज्जैं रोदां ने पुरदो कुत्रां .
जगासाथ अेह राम रोह वोह तली
उअे हसो समुझ डो है आजाअली :
केळता वोरहवे येह नमेहराम ;
मआदरीयारल करे वोहमु दाम .
फिर उसमुझ डो होगा दिखी आतडा ;
वोह कम अेफ्ल मुळ करे चातडा .
फिसी मौठे अहर लैं दो ठवां ;
है आछि है आनु हसन ना कहां .
रे लुत्फ कर लिया है वोह अेहराम पास
दिया रोह अेहराम ने युं कियास :
अगर छिस्को ळता रओणे लुमन ;
करेणा रोराल वोही दिल उठन :
पडउ जाव दिस्कोय फां ठ ल्दी केसात :
लेअ्जाये वे ठ जलाल रोदल संणाल

ल्साकै करें उस्को नाजुद अज ;
केलवे किउर दिल्को थिरमान सज .
कहा अपने लोगों को साके ठहां ;
थिसे लके ळसे लो मारां कहां -
के जैसा कि येह मुरेसद है कारे रोदीद
दिरा वो ठाले पर किसीके हदिद :
उसे मार दुन्यासे रैसल किया ;
सल उसके करने की उसको दिया :
जलं सो ह पेरी को कहा जाद सोह
रपो मे कर जानी की मुज पर निगाह
अगर हो वे रेप सल लो लवें वल न
पेह रस जेद वलते हैं उनसं गहमन
कहा सोहने पुं मैं मे करजा ने मन ;
किया हम्को मुरसद है लने मन :
किया दस्तगीरी के लुं सात है ;
करमसं जुहम को किया रेरत है .

जहां लडी वरप्याकी सेरोक नाम धार
दिया मिलम्म तां कैडीन्के जेरो मार.
डिपासजो रे अस्नत सोरोक ढंकां;
रल लेपे लेअपने अपने म डां.
कुम्ने रोक जकेराम प्येरोंा जदिज;
दिया रोक परी पानेकसनजानु जमि
डियकक ने पुरी वोक रोक डी मुराद.
ललतुरे से रोकली कुवारो दरोाद.
कि ले रोढ वढां बर रके रोक कें ;
अलं जमं दम्अपने भुलकपामे कैं
कदारोक ळनीसे लनाभुजे ;
अली भुजडो रेनिसल करो ऊकुंतुजे
जलं जाके केसासमे लिरल ;
सलोंसे वोक मिल्कुरयेलाकिसवल
दियारोक परी दकेढ डीकेसंगात;
रयाना कियारोक डोलरोाकरदेसाये.
नं. १०

मंगालफ़ेअ न हरीन उसपेर खिदाम्ने ;
रोक़न रोक़ कोऔर क़सन आनुखिदुमे
मदद मांगा फ़ड़की थो दिलो ल. नसे ;
पेजे दोनो फ़िर कुरे जडे मान नसे :
ले कुछ पीछ दर कार दिपी खिसे ;
जडे मान नरीं कलसे राहीं दिखे .
पे जारीए क़ अके राम नुरी फ़ाल को
राहीं नुलकुमपने को जरफ़ाल को ;
पकुपे जम्र दमुद ल के ह्रास में ल ;
जकोत तकुसाम्रत में धाखिलकुथा
खिलामाके हैरंठ दरीक़ को वहीं ;
गाले से लगाया है दिल जन्द के लैं .
वछ र और आमियां ने सजआमे हैं
पुरी को कुरछि. यल ली सजथा में हैं
कुमे रोक़से हैं पस लम छक़द ळया
नुजा ड़ा नठर डर कुमे सज हैं राद .

कि यामजो ... कि अके ... साद्

दियां पिलम्.तां सजो कै आदिसाद्

लसलीसलों कोधो देने लगे ;

पुरीको के दिर वकां पेरकने लगे .

मुरलिअं कुवा पेक् अजुलरे पुदा ;

लुरेल कै कठरलपेक् नुरेल कुदा .

अमीं नेरपाथा डिसे नालमाम ;

अलं डिसुो दवजतडियाधिलतलम

सनामे के कलर मोर पंठलकमें ;

लुमस् रोठ मव्यलमाकृीााजानमें

छेसो बैल मोर कैमे के कलर ;

अकेटले पुदा वठे कुवा मारीडार :

रेठलक डसे कमने डियापेक्न ठम

कसदकरपेक् कमेम ठम जिलठठ

पठेले सुने वाक डेर कम डो याद :

कमासे डेरे वाक सदा डाम राद :

जनाबे आरिफ़की अनीं ने किया :
रसाई हक़ तलसे मैं पूरा किया :
गुलामाने आदाल हूँ मैं कलिल ;
सलोंका मैं पाया हूँ जे दलिल .
हुआ फ़ैज़ो करीमी यो तुम्के धसतां ;
के दे मुजको हैं नलमें हक़ जुस तां .
छपा पाये हकिसाँ अडे मद़ै से ;
सही करके काछ़ ने दिलराजे से :
जहोत करके कोशिशी राओंआली हजूर
छपाई हैं येह् फूज करकर किताब
हिअराहिम काछ़ ने कर म्ये हलिसाम
लिखा और छपा कर किया है तमाम
किताजतसे फलली अच्छी है कया ;
सही करके उसको सलाके दिया ;
वोह मोहम्मद जो डालिज के मोहजूल
छपाई गई है उसेसें मे फ़ल कर :

सना बारासौ और नवद अन्दर ;

छपाया कै क़िस्साँ येह अफ़ोलमुनसर

हुवा अब येह क़िस्साँ है पूरा तमाम ;

अकूँ मो हमद अब ले क़िस लाम .

तमामशुद .

क़िस्सा अफ़ेराम गौर का पूरा हुवा .

येह क़िस्सा अफ़ोलमेहनलडरे-
सके दरीछापेखानेमें छपवाया कै .
सन. १८७१ . इसवी . जुन . ता० ८ –